राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 28 जनवरी 2025 वर्ष-8,अंक-05 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संविधान खत्म हो गया तो कुछ नहीं बचेगा

राहुल गांधी ने महू की रैली में भाजपा पर बोला हमला, संविधान बचाने की अपील

महू।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महू में आयोजित जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली को संबोधित करते हुए भाजपा और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि यह हिंदुस्तानियों की हजारों साल पुरानी सोच और संस्कृति का प्रतीक है। इसमें महात्मा गांधी, आंबेडकर, भगवान बुद्ध और फुले जैसे महापुरुषों की आवाज समाहित है। ऐसा संविधान यदि खत्म हो गया तो फिर कुछ नहीं बचेगा।

अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी ने दावा किया था कि यदि उन्हें लोकसभा में 400 सीटें मिल गईं तो वे संविधान को बदल देंगे। ऐसा करने से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने उन्हें रोका। इसका ही नतीजा है कि पीएम मोदी जी को संविधान के आगे माथा टेकना पड़ा है।

राहुल गांधी ने कहा, कि बीजेपी और आरएसएस संविधान को कमजोर कर रही हैं। जिस दिन संविधान खत्म हुआ, उस दिन देश के गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के लिए कुछ भी नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश के संसाधनों को कुछ चुनिंदा अरबपतियों के हवाले कर रही है, जबकि आम नागरिकों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है।

चीन को हो रहा फायदा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नोटबंदी और जीएसटी को गरीबों के खिलाफ हथियार बताया और कहा, कि जीएसटी गरीबों पर बोझ है और इसका फायदा सिर्फ चीन को हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने 16 लाख करोड़ रुपये अरबपतियों का कर्ज माफ कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें घटीं लेकिन यहां बढ़ रहीं

राहुल गांधी ने तेल की बढ़ती कीमतों पर सरकार को घेरा और कहा, कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत कम हो रही है, लेकिन भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सरकार गरीबों को आर्थिक गुलामी की तरफ धकेल रही है।

बेरोजगारी और शिक्षा पर सवाल

उन्होंने देश में बढ़ती बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा, कि आज हिंदुस्तान में 50 सालों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है।

यहां तक कि आईआईटी और आईआईएम के छात्रों को भी नौकरी नहीं मिल रही। उन्होंने युवाओं से सवाल किया कि उनके सपने कब पूरे होंगे।

बाघ ने ली महिला की जान, केरल सरकार ने क्षेत्र में लगाया कर्फ्यू

-लोग दहशत में, आंगनवाड़ी, मदरसे, स्कूल और कॉलेज बंद

तिरुवनंतपुरम।

केरल के वायनाड में आदमखोर बाघ ने एक महिला को मार डाला। घटना के बाद लोग दहशत में हैं जिसके चलते प्रशासन ने मनंतावडी नगर पालिका के इलाके में 48 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया गया है। 27 और 28 जनवरी तक के लिए मनंतावडी में आंगनवाड़ी, मदरसे, स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। जो लोग पीएससी परीक्षा या शिक्षण संस्थानों में परीक्षा देने जा रहे हैं, उन्हें प्रशासन को अग्रिम सूचना देकर संपर्क करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा ट्यूशन सेंटरों को भी पूरी तरह बंद करने का आदेश दिया है। केरल के वन मंत्री एके ससीन्द्रन ने जिला कलेक्ट्रेट में हाईलेवल बैठक के बाद बाघ को आदमखोर घोषित किया है। अब उसे मारने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में यह पहली बार है कि किसी बाघ को आदमखोर घोषित किया गया है।

बता दें बीते शुक्रवार को मनंतावडी इलाके में रहने वाली राधा (47) प्रियदर्शिनी एस्टेट में कॉफी तोड़ रही थी। तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले में राधा की मौत हो गई। बाघ ने रविवार को वन अधिकारी जयसूर्या पर भी हमला किया था। दो हमलों के बाद सीएम ने वन मंत्री को अधिकारियों से बातचीत करने के निर्देश दिए थे। शनिवार को वन मंत्री एके ससीन्द्रन ने जिला कलेक्ट्रेट में बैठक की, जिसमें महाधिवक्ता और अन्य कानूनी विशेषज्ञों की सलाह के बाद बाघ को आदमखोर घोषित कर दिया। वन मंत्री ने बताया कि बार-बार हमलों और मानव जीवन के लिए बढ़ते खतरे का आकलन करने के बाद बाघ को आदमखोर घोषित किया गया है।

पहला कॉलम

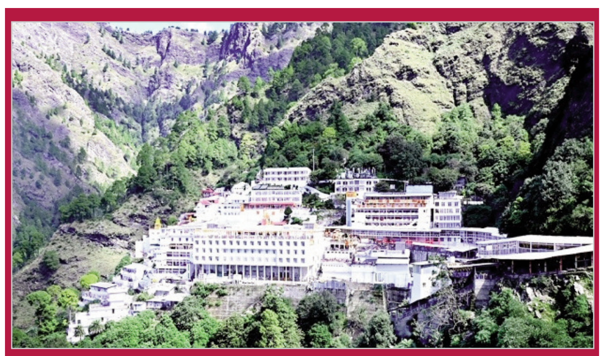

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने स्थानीय निवासियों को दी सौगात...दर्शन जल्द कर सकते

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एमएमवीडीएसबी) ने घोषणा की है कि कटरा शहर और कटरा उप-मंडल के तहत आने वाले सभी 41 गांवों के निवासियों को माता का दर्शन करने में प्राथमिकता मिलेगी। यानी जो लोग यहां के निवासी हैं, उन्हें आमजनों के मुकाबले माता के दर्शन तुरंत प्राप्त हो इसकी व्यवस्था की जा रही है। श्राइन बोर्ड ने कहा है कि इसके लिए स्थानीय लोगों को अपना वैध पता दिखाना होगा। बोर्ड के मुताबिक, दुर्गा भवन के पास वैध पते के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड दिखाने पर श्री माता वैष्णो देवी जी के मंदिर में दर्शन में प्राथमिकता दी जाएगी। श्राइन बोर्ड ने बताया है कि 25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए निकास मार्ग की नींव रखने का काम भी शुरू हो गया है। यह निकास मार्ग स्काईवॉक जैसा होगा, जिसका उद्देश्य भवन क्षेत्र और नए वैष्णवी भवन में भीड़भाड़ को कम करना होगा। ताकि श्रद्धालुओं को तीर्थयात्रा में दिक्कत ना हो और उन्हें सुखद अनुभव कराया जा सके। बता दें कि 31 दिसंबर, 2021 और 1 जनवरी, 2022 की में मची भगदड़ में 12 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी और कई घायल हो गए थे। श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने कहा कि गुफा मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों के कल्याण और उनकी सुविधाओं के लिए श्राइन बोर्ड की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि श्राइन बोर्ड देश और विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मौजूदा बुनियादी ढांचे को और अधिक उन्नत और विस्तारित करने की कोशिशों में जुटा है।

गुरग्राम में मानेसर पुलिस ने तीन बांग्लादेशियों को पकड़ा

गुरुग्राम । गुरग्राम के मानेसर थाना पुलिस ने तीन बांग्लादेशियों को पकड़ा है। उनके पास से बंगाल के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। पूछताछ में पता चला कि इन्होंने 8000 रुपये में फर्जी आधार कार्ड बनवाए थे। तीनों भाई-बहन हैं। डेढ़ साल पहले भारत आए थे यह पहले महाराष्ट्र में रहे। डेढ़ माह पहले ही यह गुरुग्राम आए और मानेसर में एक किराए के मकान में रह रहे थे। यहां पर एक युवती स्पा में काम कर रही थी। मानेसर चौराहे पर घूमते हुए युवती की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने युवती को पकड़कर पूछताछ की तब जाकर युवती की पहचान उजागर हुई। उसके बाद उसकी एक बहन और भाई को भी पुलिस ने पकड़ा लिया। तीनों से पूछताछ चल रही है। इसकी जानकारी जिला प्रशासन और गृह मंत्रालय को भी भेजी गई है।

2019 के आचार संहिता उल्लंघन मामले में कोर्ट में पेश हुई मीसा भारती

पटना । पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र से आरजेडी सांसद मीसा भारती आदर्श आचार संहिता मामले में दानापुर कोर्ट में पेश हुईं। मामले में मीसा फिलहाल जमानत पर हैं। कोर्ट में मामला खारिज करने के लिए आवेदन दिया है। इस पर न्यायिक दंडाधिकारी अरबाज अंसारी ने मामले में अभियोजन पक्ष से जवाब मांगा है। बात दें कि मनेर थाने में लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। कोर्ट में पेशी के बाद आरजेडी सांसद मीसा ने कहा कि 70-100 राउंड फायरिंग की खबर हैं। इस तरह की कोई पहली घटना नहीं है। यह हिंसा एक ही परिवार में क्यों होती है। सारे एक ही गुट के लोग हैं। किस बात के लिए गोलीबारी हुई है। पुलिस को जांच करनी चाहिए।

महाकुंभ के तीसरे स्नान पर्व लिये मेला प्रशासन ने कसी कमर, 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

महाकुंभनगर ।

संगम की रेती पर उमड़ रहे जनसैलाब के बीच मेला प्रशासन ने 29 जनवरी को महाकुंभ के तीसरे स्नान पर्व मौनी अमावस्या के लिये चाक चौबंद इंतजाम किये हैं। मौनी अमावस्या के दिन करीब 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। मेला प्रशासन और कुम्भ पुलिस की हरसंभव कोशिश है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मेला प्रशासन और कुम्भ पुलिस ने अमृत स्नान पर्व को देखते हुए व्यापक तैयारियां की हैं। पूरे मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। संगम तटों पर बैरिकेडिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे।

श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए हर सेक्टर और जोन में विशेष व्यवस्था की गई है। इस दौरान किसी भी तरह का प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा। संगम नोज पर अत्यधिक भीड़ जमा न हो, इसके लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर मॉनिटरिंग करेगा। भीड़ वाले इलाकों में त्वरित कार्यवाही के लिए विशेष दल तैनात किए गए हैं। प्रमुख मार्गों पर खास निगरानी की जा रही है। साथ ही, अराजक और संदिग्ध लोगों पर भी नजर रखी जा रही है।

मेला क्षेत्र में अतिक्रमण कर लगाए गए अवैध दुकानों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। निरंतर कारवाई भी की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा के लिए साफ और चौड़ी सड़कें उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वच्छता कर्मियों को साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के

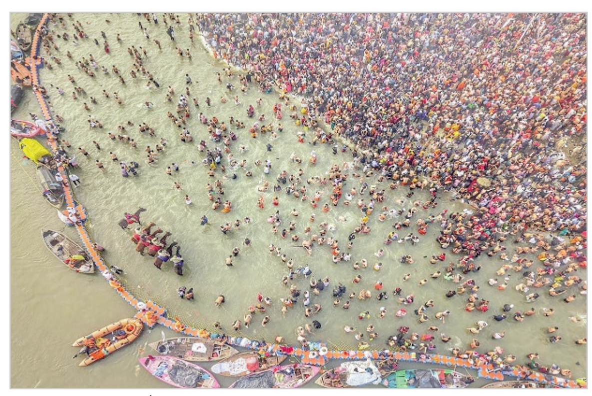

निर्देश दिए गए हैं। सभी पार्किंग क्षेत्रों को सक्रिय कर दिया गया है, जहां श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी। ट्रैफिक प्लान के अनुसार पहले सबसे पास की पार्किंग में वहां पार्क कराए जाएंगे और इसके बाद दूसरी पार्किंग को उपयोग में लाया जाएगा। 2000 से अधिक नए साइनेज लगाए गए हैं ताकि लोग सही दिशा में आसानी से जा सकें।

श्रद्धालुओं को मेला का आधिकारिक चैटबॉट डाउनलोड करने की अपील की गई है। यह चौटबॉट श्रद्धालुओं को हर तरह की जानकारी देगा, जिससे उनकी यात्रा और भी सुविधाजनक होगी। इसके साथ ही गूगल नेविगेशन और पुलिसकर्मी भी श्रद्धालुओं को सही राह दिखाएंगे।

गणतंत्र दिवस पर असम राइफल्स ने मिजोरम में फहराया 3,908 ऊंचाई पर तिरंगा

आइजोल।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 20वीं असम राइफल्स की लुंगलेई बटालियन ने दक्षिण मिजोरम में सबसे ऊंचा तिरंगा फहराया। मीडिया रिपोर्ट में रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि तिरंगा समुद्र तल से 3,908 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह तिरंगा असम राइफल्स के शहीद वीरों और मिजोरम के स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित है। इस अवसर पर स्थानीय निवासी, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार, भूतपूर्व सैनिक, स्कूली बच्चे और बटालियन के जवान शामिल हुए और देशभक्ति का जज्बा और आभार व्यक्त किया। असम राइफल्स ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम यूनिट की अदम्य भावना को भी उजागर करता है, जो राष्ट्रीय गौरव और एकता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। असम राइफल्स अपने आदर्श वाक्य पहाड़ी लोगों के मित्र का अनुकरण करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति बनाए रखने और संबंधों को मजबूत करने का काम जारी रखे हुए है। देश के वीरों को श्रद्धांजलि देने गणतंत्र दिवस के अवसर पर आइजोल में असम राइफल्स युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसमें असम राइफल्स के 127 वीर सैनिकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने मिजोरम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। समारोह की शुरुआत असम राइफल्स के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। इसके बाद, असम राइफल्स के मिजोरम रेंज के उप महानिरीक्षक द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की।

कश्मीर में ठंड और बर्फबारी का कहर जारी..... 1 से 5 फरवरी तक हल्की बारिश का अनुमान

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में शीतलहर अपने चरम पर है, जहां कई क्षेत्रों में तापमान शून्य से काफी नीचे पहुंच गयास है। जोजिला पास ने माइनस 24.0एडिग्री तापमान के साथ ठंड के मौसम में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में तापमान में गिरावट जारी है क्योंकि घाटी, जम्मू क्षेत्र और लद्दाख में पारा और गिर रहा है, जबकि श्रीनगर में तापमान शून्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। जहां मौसम विभाग ने 29 जनवरी तक शुष्क मौसम रहने की संभावना जाहिर की है।

इसके बाद 29 जनवरी की रात और 30 जनवरी की सुबह हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

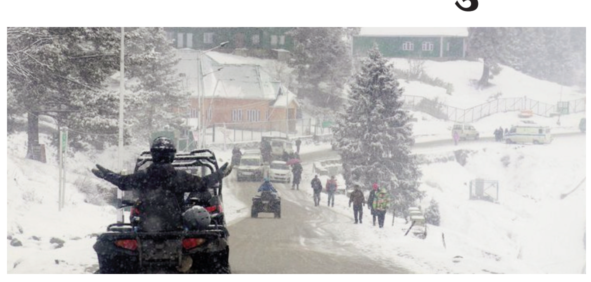

वहीं 31 जनवरी को कुछ स्थानों पर बर्फबारी का अनुमान जताया गया है।

इसके बाद 1-5 फरवरी को बादल छाने और बीच-बीच में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि न्यूनतम तापमान में 2-4एड्रिगी की वृद्धि होने की संभावना है।

गुरेज-बांदीपुरा रोड बंद- राजदान दर्रे पर भारी बर्फबारी और बर्फीले तूफान के कारण 85 किलोमीटर लंबा गुरेज-बांदीपुरा मार्ग बंद कर दिया गया है।

बिजली का नुकसान- बर्फबारी से राजदान दर्रे के आसपास बिजली के बुनियादी ढांचे को क्षति पहुंची है।

मरम्मत कार्य जारी- बिजली विभाग खराब लाइनों की मरम्मत में जुटा है।

सुरक्षा निर्देश- प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने और सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

साधु-संतों के साथ मंत्रोच्चार के बीच अमित शाह ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचकर संगम में संतों के मंत्रोच्चार के बीच आस्था की डुबकी लगाई। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह सोमवार को महाकुंभ के पवित्र स्नान के लिए त्रिवेणी संगम पहुंचे। इससे पहले प्रयागराज पहुंचने पर शाह का हवाई अड्डे पर स्वागत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने किया। भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख भूपेंद्र चौधरी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने भी हवाई अड्डे पर शाह का स्वागत किया। दोपहर करीब 12 बजे शाह गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम पर अरैल स्थित वीआईपी घाट पहुंचे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के साथ शाह ने जूना पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर आचार्य अवधेशानंद गिरि जी महाराज और कुछ अन्य शीर्ष संतों के साथ एक तैरते हुए घाट पर बातचीत की। शाह के दौरे के दौरान मेला क्षेत्र और प्रयागराज में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मेला क्षेत्र को पूरी तरह से वाहन निषेध क्षेत्र घोषित किया गया था, वहीं प्रयागराज शहर में कई स्थानों पर मार्ग परिवर्तन किया गया था, जिससे स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों पर असर पड़ा। इससे पहले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने धर्म नगरी प्रयागराज में एकता और अखंडता के इस महापर्व में संगम स्नान करने और संतजनों का आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुकता प्रकट की। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''महाकुंभ' सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक है। कुंभ समरसता पर आधारित हमारे सनातन जीवन-दर्शन को दर्शाता है।' उन्होंने आगे कहा 'आज धर्म नगरी प्रयागराज में एकता और अखंडता के इस महापर्व में संगम स्नान करने और संतजनों का आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूँ।'

केजरीवाल ने माना, 24 घंटे साफ पानी की आपूर्ति, यमुना सफाई का वादा पूरा नहीं हुआ

आप ने जारी किया घोषणापत्र.....रोजगार, महिला सम्मान, मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं और यमुना सफाई

नई दिल्ली ।

आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी किया है। पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता के लिए 15 गारंटियां दीं। इन गारंटियों में रोजगार, महिला सम्मान, मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं, और यमुना सफाई जैसे बड़े वादे शामिल हैं।

आप पार्टी की 15 गारंटियाओं में हर युवा को रोजगार देने का वादा, हर महिला के खाते में 2100 रुपये मासिक, 60 वर्ष से ऊपर बुजुर्गों को मुफ्त इलाज, पानी के गलत बिल माफ, 24 घंटे पानी की सप्लाई, यूरोप जैसी होगी दिल्ली की सड़कें, यमुना नदी की सफाई। इसके अलावा दलित वर्ग के बच्चों के विदेश में पढ़ाई का खर्च सरकार उठाएगी। मुफ्त बस यात्रा और मेट्रो किराए में छात्रों के लिए छूट की योजना का ऐलान। वहीं पुजारियों और ग्रंथियों को 18,000 रुपये मासिक दिया जाएगा। किरायेदारों को भी मुफ्त बिजली और पानी की सुविधा मिलेगी। दिल्ली के सभी इलाकों में सीवर की समस्याओं का समाधान। ऑटो, टैक्सी, और ई-रिक्शा चालकों को बेटी की शादी के लिए एक लाख रुपये व बच्चों को फ्री कोचिंग की बात घोषणा पत्र में कही गई है। आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) को निजी सिक्योरिटी गार्ड रखने के लिए फंड मिलेगा। आप सरकार की पुरानी योजनाएं भी जारी रहेगी। इस मौके पर केजरीवाल ने माना कि 2020 में किए गए तीन वादे (24 घंटे साफ पानी की आपूर्ति, यमुना सफाई और यूरोप जैसी सड़कें) पूरे नहीं हो सके। उन्होंने इसकी वजह महामारी और केंद्र सरकार द्वारा उनकी टीम के नेताओं को निशाना बनाए जाने को बताया गया।

उन्होंने दावा किया कि अगले पांच साल में ये तीन काम पूरे कर दिए जाएंगे। वहीं केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में सीवर ओवरफ्लो की समस्या राजनीतिक साजिश का नतीजा है। उन्होंने दावा किया कि सीवर

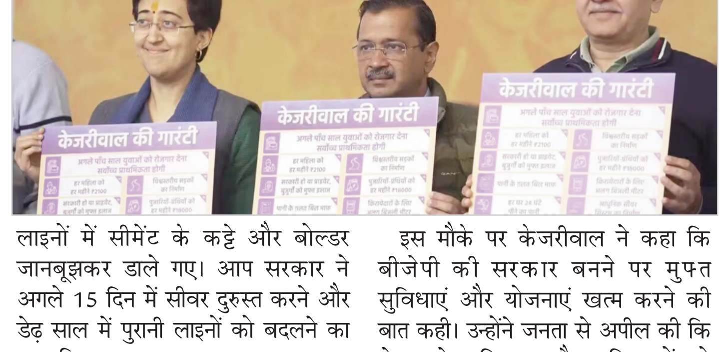

लाइनों में सीमेंट के कट्टे और बोल्डर जानबूझकर डाले गए। आप सरकार ने अगले 15 दिन में सीवर दुरुस्त करने और डेढ़ साल में पुरानी लाइनों को बदलने का वादा किया।

बीजेपी पर निशाना

इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी की सरकार बनने पर मुफ्त सुविधाएं और योजनाएं खत्म करने की बात कही। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपने अधिकार और सुविधाओं को बचाने के लिए आप को समर्थन दें।

नगर निगमो में कांग्रेस की हार के पीछे बूथ स्तर पर तैयारी न होना

चमोली जिले में नगर पालिका की चार सीटों में से दो पर भाजपा और दो पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। जबकि पंचायत की छह सीटों में से चार पर कांग्रेस और दो पर निर्दलीय विजयी रहे। चमोली में कर्णप्रयाग पालिका सीट पर पूर्व विधायक के बेटे गणेश चंद्र शाह ने जीत दर्ज की है।वही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के गृह क्षेत्र पोखरी नगर पंचायत से निर्दलीय सोहनलाल ने जीत दर्ज की है,वहां भाजपा को करारी हार झेलनी पड़ी है। रुद्रप्रयाग नगर पालिका सीट पर भी निर्दलीय ने जीत का परचम लहराया है।

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

नगर निगमो में कांग्रेस की हार के पीछे बूथ स्तर पर तैयारी न होना प्रमुख है,वही टिकट भी सोच समझकर नही दिए गए।रुड़की में तो 40 पार्षद सीटों में से सिर्फ 22 पर ही कांग्रेस लड़ पाई,मेयर प्रत्याशी पूजा गुप्ता के प्रति लोगो का रुझान बन ही रहा था कि कांग्रेस के सहारनपुर सांसद इमरान मसूद की जनसभा के वीडियो ने कांग्रेस की ओर झुक रहे वोटरों को नाराज़ कर दिया,वही मुस्लिम वोटर भी कांग्रेस व निर्दलीय के बीच बट गए।

उत्तराखंड के 11 नगर निगमों में भाजपा के 10 मेयर बन गए है,जबकि सीट पर निर्दलीय कामयाब रहा है।जिनमे अल्मोड़ा में भाजपा के अजय वर्मा,हल्द्वानी से भाजपा के गजराज बिष्ट,पिथौरागढ़ में भाजपा की कल्पना देवलाल ,देहरादून में भाजपा के सौरव थपलियाल,कोटद्वार में भाजपा के शैलेंद्र सिंह रावत ,रुद्रपुर से भाजपा के विकास शर्मा

ऋषिकेश से भाजपा के शंभू पासवान,काशीपुर से भाजपा के दीपक बाली,रुड़की से भाजपा की अनिता देवी अग्रवाल,हरिद्वार से भाजपा की किरण जैसल तथाश्रीनगर में निर्दलीय आरती भंडारी विजयी रहे है।गढ़वाल के पांच जिलों की नगर पालिकाओं में निर्दलीयों का जलवा रहा। 16 नगर पालिका सीटों में से निर्दलीयों ने 8 पर जीत दर्ज की है। वहीं भाजपा पांच और कांग्रेस तीन ही जीत सकी है। नगर पंचायत की चुनावी जंग में भाजपा-कांग्रेस में कड़ा मुकाबला रहा। 21 नगर पंचायत सीटों में से 9 पर भाजपा, 8 पर कांग्रेस और 4 पर निर्दलीयों ने जीत दर्ज की।

पंचायत की चार सीटों में से एक पर निर्दलीय, दो पर भाजपा और एक पर कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है।इसी तरह टिहरी जिले में छह नगर पंचायत और चार नगर पालिका हैं,जिनमें पांच नगर पंचायतों तपोवन, घनसाली, चमियाला, लंबगांव और कीर्तिनगर में भाजपा के उम्मीदवार जीते है,जबकि गजा में निर्दलीय ने जीत दर्ज की है। नगर पालिका नई टिहरी और मुनिकीरेती में भी निर्दलीयों का कब्जा रहा, जबकि चंबा में भाजपा जीत गई है।वही देवप्रयाग में भाजपा पहले ही निर्विरोध जीत चुकी हैउत्तरकाशी जिले में गंगोत्री नगर पंचायत में चुनाव नहीं होते हैं, यहां प्रशासक रहता है। वहीं नौगांव में भाजपा चुनाव जीत गई है। चार नगर पालिकाओं में बाड़ाहाट, चिन्यालीसौड़, बड़कोट में निर्दलीय और पुरोला में कांग्रेस जीती है।पौड़ी के सात निकायों में पांच सीटों पर कांग्रेस व निर्दलीयों का दबदबा बना है।जबकि नगर पालिका पौड़ी व दुगड्डा पर निर्दलीय जीते है। सतपुली नगर पंचायत और स्वर्गाश्रम जोंक नगर पंचायत पर कांग्रेस काबिज हुई है। वहीं श्रीनगर के कीर्तिनगर नगर पंचायत में भाजपा और देवप्रयाग नगर पालिका में भी भाजपा की ममता देवी निर्विरोध निर्वाचित हुईं है।वही थलीसैंण नगर पंचायत से कांग्रेस जीत गईं है। उत्तराखंड राज्य में 11 नगर निगम, 46 नगर पालिका और 43 नगर पंचायतों के साथ ही निगम पार्षद के 540, नगर पालिकाओं में सभासद के 444 और नगर पंचायतों में वार्ड सदस्य के 298 पदों पर चुनाव की मतगणना हुई है। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा है। लेकिन निगम से लेकर पार्षद तक कई जगहों पर निर्दलीयो ने भी झंडा बुलंद किया हैं।मसूरी नगर पालिका चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी मीरा सकलानी चुनाव जीत गईं है।नगर पंचायत गुप्तकाशी की पहली अध्यक्ष विश्वेशरी देवी बन गई है। वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी कुब्जा धर्म्वाण नगर पंचायत ऊखीमठ से विजयी रहे है। उधम सिंहनगर के गूलरभोज नगर पंचायत में निर्दलीय प्रत्याशी सतीश चुग ने 1022 वोटो से जीत दर्ज की है।वही सीमांत जनपद चमोली से भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया है।इस जनपद में चार नगर पालिकाओं समेत 6 नगर पंचायतों में से भारतीय जनता पार्टी सिर्फ दो सीट हासिल कर पाई जबकि कांग्रेस ने 6 और निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी दो सीट हासिल की है। आपदा के जख्मों से उभर रहे ज्योर्तिमठ नगर में चुनाव प्रचार जनसभा और रोड शो करने पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सांसद अनिल बलूनी का जादू भी फेल हो गया है।

हरिद्वार नगर निगम में भाजपा प्रत्याशी किरण जैसल ने मेयर पद पर कब्जा कर लिया है।उन्हें 72741 वोट मिले हैं।भाजपा के हाथों कांग्रेस प्रत्याशी अमरेश देवी बालियान को करारी हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा प्रत्याशी किरण जैसल ने कांग्रेस प्रत्याशी अमरेश देवी बालियान को 28555 वोटों से हराया है। जबकि हरिद्वार नगर निगम के पार्षदों में वार्ड नंबर 1 से भाजपा के आकाश भाटी ,वार्ड नंबर 2 से भाजपा की सुनीता देवी ,वार्ड नंबर 3 से भाजपा से सूर्यकांत शर्मा,वार्ड नंबर 4 कांग्रेस के महावीर वशिष्ठ ,वार्ड नंबर 5 से भाजपा से अनिल वशिष्ठ ,वार्ड नंबर 6 से भाजपा से सुमित चौधरी ,वार्ड नं 7 भाजपा से श्रुति खेवरिया ,वार्ड नंबर 8कांग्रेस से हिमांशु गुप्ता ,वार्ड नंबर 9 कांग्रेस से सोहित सेठी ,वार्ड 10 भाजपा से सचिन कुमार ,वार्ड 11 भाजपा से दीपक शर्मा ,

वार्ड 12 भाजपा से इष्ट देव सोनी ,वार्ड 13 भाजपा से मंजू रावत ,वार्ड 15 कांग्रेस से विकी भूषण ,वार्ड नंबर 16 भाजपा से निशा नौडियाल से,वार्ड नंबर 17 भाजपा से रानी देवी ,वार्ड नंबर 18 भाजपा से ममता नेगी ,वार्ड नंबर 19 भाजपा से मोनिका सैनी,वार्ड नंबर 20 भाजपा से राजेश शर्मा ,वार्ड नंबर 21 भाजपा से पिंकी चौधरी ,वार्ड नंबर 22 भाजपा से सपना शर्मा ,

वार्ड 23 भाजपा से आशी भारद्वाज ,वार्ड 24 भाजपा से परमजीत गिल ,वार्ड 25 भाजपा से एकता गुप्ता,वार्ड 26 भाजपा से शुभम मंडोला ,वार्ड 27 भाजपा से सुनील अग्रवाल ,वार्ड नंबर 28 भाजपा से मुकुल परासर ,वार्ड नंबर 29 भाजपा से प्रशांत सैनी ,वार्ड नंबर 30 भाजपा से सचिन अग्रवाल ,

वार्ड नंबर 31 भाजपा से भूपेंद्र कुमार ,वार्ड नंबर 32 भाजपा से अनुज सिंह ,वार्ड नंबर 34 भाजपा से निशा देवी,वार्ड नंबर 36 भाजपा से मोनिका गिहार व

वार्ड नंबर 37 में कांग्रेस से नोमान अंसारी जीते है।

रुड़की नगर निगम में भी भाजपा प्रत्याशी अनीता देवी अग्रवाल ने 2,851 वोटों से जीत हासिल की है।यहां कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही है,जबकि, दूसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी श्रेष्ठा राणा रही हैं। रुड़की नगर निगम में भाजपा की जीत ने रुड़की में निर्दलीय जीत का भी मिथक तोड़ा है। पिछले कई चुनाव में रुड़की में ज्यादातर निर्दलीय प्रत्याशी ही जीतते रहे है, लेकिन इस बार यह मिथक टूट गया है और बीजेपी प्रत्याशी की प्रचंड जीत हुई है। बीजेपी प्रत्याशी अनीता देवी अग्रवाल को 35,008 वोट मिले है, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी श्रेष्ठा राणा को 32,157 मत पड़े है। वहीं,कांग्रेस प्रत्याशी पूजा गुप्ता को 18,417 वोट मिले है।वही भगवानपुर नगर पंचायत सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी गुलबहार ने जीत दर्ज की है।

इमलीखेड़ा नगर पंचायत सीट पर निर्दलीय मनोज सैनी ने जीत का परचम लहराया है। झबरेड़ा नगर पंचायत सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी किरण चौधरी ने अपने ही देवर भाजपा के मानवेन्द्र सिंह को हराया।पाडली गुर्जर, मंगलौर गैरसेंण , माजरा घनसाली ,रानीखेत ,द्वारहाट,

जोशीमठ ,भिकियासेन ,धारचूला

डीडीहाटबेरीनाग ,उत्तरकाशी,

भवाली भीमताल ,नैनीताल,

-सतपुली ,पुरोला , बाजपुर सीटो पर कांग्रेस ने जीत दर्ज कर अपनी ताकत का एहसास कराया है।वही नगर पंचायत ढंढेरा में निर्दलीय सतीश नेगी ने बाजी मारी है।वही मंगलौर नगर पालिका कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी मोय्युउद्दीन विजय रहा।शिवालिक नगर नगर पालिका परिषद से फिर अध्यक्ष राजीव शर्मा बन गए।लंढौरा नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी डॉक्टर नसीम ने विजय प्राप्त की।

पाडली गुज्जर नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर कांग्रेस प्रत्याशी तौकीर की विजय हुई।रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर आजाद समाज पार्टी प्रत्याशी परवेज सुल्तान विजयी रहे।इमली खेड़ा नगर पंचायत अध्यक्ष पद निर्दलीय प्रत्याशी मनोज सैनी विजय हासिल की।कलियर नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी समीना विजयी रही।

लक्सर नगर पालिका अध्यक्ष पद पर बसपा प्रत्याशी संजीव कुमार जीते है।

ढंडेरा नगर पंचायत से अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नेगी ने भाजपा को हराकर बाजी मारी है।सुल्तानपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर कांग्रेस प्रत्याशी ताहिर हसन चुनाव जीते है।

इस चुनाव में मतदान के समय पुलिस द्वारा ही वोट डालने आए मतदाताओं पर लाठीचार्ज करना,भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा मतदान केंद्रों पर जाकर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करना, मतगणना के समय सत्ता से जुड़े लोगों की मनमानी ने लोकतंत्र को शर्मसार किया है,जिसपर

संपादकीय

हिंसा का पाठ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा है कि अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा जरूरी होती है। गुजरात विश्वविद्यालय के हिन्दू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, हिन्दू सदा ही अपने धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए हमें वे काम भी करने होंगे, जिन्हें दूसरे अधर्म करार देंगे और हमारे ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे। जोशी ने महाभारत का हवाला देते हुए कहा कि पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों की अनदेखी की। हालांकि वसुधैव कुटुंबकम को आध्यात्मिक अवधारणा बताते हुए उन्होंने पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की बात भी की। संघ नेता के विचारों में विरोधाभास स्पष्ट है। एक तरफ वह हिंसा की बात कर रहे थे। दूसरी तरफ हिन्दू धर्म के केंद्र में मानवता की बात उठाई। संघ के पदाधिकारियों द्वारा कुछ अंतराल के बाद धर्माधारित विवादित बयान दिया जाना परंपरा बन चुकी है। चूंकि संघ की विचारधारा हिन्दुत्व के प्रचार और हिन्दू राष्ट्र को कठोरतापूर्वक लेकर चलती है; इसलिए वे ऐसे हथकंडे अपना कर बहुसंख्यकों को प्रभावित करने में कोई कोताही नहीं करना चाहते। एक तरफ वसुधैव कुटुंबकम जैसे जुमले का प्रयोग और उसके साथ ही हिंसा की बात करना तर्कसंगत नहीं लगता। दूसरे, पांडवों-कौरवों के युद्ध की यहां आवश्यकता स्पष्ट नहीं हो रही। हिन्दुत्व और सनातन हिन्दू धर्म के मर्म को देशवासी भले ही अपरोक्ष तौर पर न समझते हों परंतु वे इस बहकावे में ज्यादा देर नहीं अटके रहते। जैसा कि जोशी ने स्वयं कहा, यह आध्यात्मिकता है, जीवनशैली है। मगर इसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं है। संघ प्रमुख रहे मोहन भागवत का कहना था, बल प्रयोग, उग्रवाद, आक्रामकता, अन्य देवताओं का अपमान हमारे देश की प्रकृति में नहीं है, यह अस्वीकार्य है। परंतु जब भी हिंसा की आड़ लेने की बात की जाती है, सिक्के का दूसरा पहलू भी उजागर हो जाता है। जनता को उकसाने, भड़काऊ बयानबाजी करने या धार्मिक उन्माद फैलाने को मकसदहीन नहीं ठहराया जा सकता। बीते कुछ वर्षों में जनता को बरगाले के ये फॉमरूले चूंकि काफी कारगर रहे हैं, इसलिए विवादित धार्मिक संगठन इन्हें त्यागने का इरादा नहीं जुटा पाते प्रतीत हो रहे हैं। उपद्रव या हिंसा की भूमि में अध्यात्म को कितना ही बोया जाता रहे, उसकी फसल कभी नहीं उपज सकती।

संघ प्रमुख रहे मोहन भागवत का कहना था, बल प्रयोग, उग्रवाद, आक्रामकता, अन्य देवताओं का अपमान हमारे देश की प्रकृति में नहीं है, यह अस्वीकार्य है। परंतु जब भी हिंसा की आड़ लेने की बात की जाती है, सिक्के का दूसरा पहलू भी उजागर हो जाता है।

राधा भट्ट : सम्मान से बड़ा प्रेरणादायक व्यक्तित्व

(लेखक- कुमार कृष्णन)

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त राधा भट्ट का नाम गांधी-विनोबा युग के गांधीवादियों में प्रमुखता से शुमार किया जाता है।इस बार उन्हें पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किए जाने की घोषणा हुई है। सम्मान से बड़ा राधा भट्ट का कद है। उत्तराखंड के कौसानी क्षेत्र में पहाड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने और महिला, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, शराब विरोधी आंदोलन के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके जीवन का सात दशक पहाड़ और पर्यावरण के मुद्दे पर संघर्ष रहा है। उनका संघर्ष उन्हें प्रेरणादायक व्यक्तित्व के अग्रणी श्रेणी लाकर खड़े करती है।

यात्राओं के क्रम में सुप्रसिद्ध गांधीवादी राधा भट्ट का सानिध्य मिलना काफी सुखद रहता है। उनसे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है। वह है जीवन का अनुशासन। असम के कोकराझार से कश्मीर तक की साईकिल यात्रा में मुझे उनके साथ लगातार साथ रहने का अवसर मिला। उन्होने सर्व सेवा संघ, गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। लक्ष्मी आश्रम कौसानी की अध्यक्ष राधा भट्ट 70 साल से उत्तराखंड के पहाड़ के लिए लड़ रही हैं। 1957 में भूदान आंदोलन के साथ उनकी पदयात्रा शुरू हुई। बालिका शिक्षा, पर्यावरण, जल, जंगल और जमीन की चिंता जागी। ग्राम स्वराज, शराब आंदोलन, युवा महिला सशक्तिरण और सर्वोदय आंदोलनों में उनकी बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी रही है। राधा दीदी ने 18 साल की उम्र में घर छोड़ दिया। उनका जीवन पूरी तरह समाज के लिए समर्पित है। वे वर्तमान में 93 साल की हैं।राधा भट्ट का जन्म 16 अक्तूबर 1933 में कमलापति और रेवती भट्ट के घर हुआ।

अल्मोड़ा के पास धुरका गांव में सेना के एक पारंपरिक परिवार में जन्मीं राधा भट्ट को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा क्योंकि लोग लड़कियों को शिक्षित करने के खिलाफ़ थे। उनके मुताबिक मेरे पिता ने मुझे पाला-पोसा, जिन्होंने प्रचलित रूढ़िवादी मान्यता के खिलाफ़ विद्रोह किया कि चूँकि मैं गलत राशि में पैदा हुई हूँ, इसलिए उन्हें मुझे नहीं देखना चाहिए। उन्होंने मुझे भरपूर प्यार दिया। अपनी माँ के साथ मुझे पहाड़ी महिलाओं की कठिन दिनचर्या का एहसास हुआ, क्योंकि मैं उनके साथ चारा और जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने के लिए दूर-दूर तक जाती थी।

उन्होने माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के बाद वैवाहिक जीवन की बजाय समाज सेवा को चुना। वह 1951 में सरला बहन के संपर्क में आकर कौसानी आश्रम पहुंचे। वह सरला बहन द्वारा पहाड़ी महिलाओं में शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित कस्तूरबा महिला आमंत्रण मंडल में शामिल हुईं।उनके मुताबिक , यह मेरे लिए स्वत: ही आकर्षण था क्योंकि सरला पहाड़ी महिलाएं आत्मनिर्भर, रूमानी और शिक्षित बनना चाहती थीं। मैं उस समय 17 साल की थी और मिशन के लिए काम करने के लिए पूरी ऊर्जा से भरी हुई थी।

1951 में वे 18 साल की उम्र में लक्ष्मी आश्रम कौसानी पहुंच गईं। गरीब घरों की बालिकाओं को पढ़ाना और उन्हें जीवन जीने की कला सीखाने लगीं।वह बालिकाओं में ऐसे रम गईं कि दस साल कब निकल गए। उन्होंने फिर घर की तरफ लौटकर नहीं देखा। सरला भवन की वे अनुयायी बन गईं। 1957 में भू-दान आंदोलन में भाग लिया। उत्तराखंड से पहली पदयात्रा शुरू की। उत्तर प्रदेश और असम में विनोबा भावे के साथ रहीं। 1961 से 1965 तक बंजर गांव, ग्राम स्वराज, शराब विरोधी आंदोलन, वन संरक्षण, युवा महिला सशक्तिकरण, गाय, बकरी चूंगाने वाली किशोरियों के उत्थान और सर्वोदय आदि कामों में व्यस्त रहीं।

इस दौरान बौगाड़ में ग्रामीण नव निर्माण का काम किया । नशाबन्दी, वन, टिहरी बाँध तथा खनन विरोधी आन्दोलनों के बाद नदी बचाओ आन्दोलन में सक्रिय हिस्सेदारी रही।

उत्तराखंड के पहाड़ों में 25 बाल मंदिर के जरिए राधा भट्ट ने 15000 बच्चों को फायदा पहुंचाया। इसके साथ ही 1 लाख 60 हजार पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की मशाल भी जलाई।

राधा भट्ट ने उत्तराखण्ड, हिमालय और शेष देश में लगातार यात्राएँ और जनान्दोलनों में शिरकत की। देश और विदेश में गांधी विचार, पर्यावरण, हिमालय, नयी तालीम, तिब्बत और जनान्दोलनों के साथ मानव तथा स्त्री अधिकार पर लगातार बोलती-लिखती रहीं।

फिनलैंड डेनमार्क, नार्वे और फिनलैंड में व्यस्क शिक्षा और लोक हाई स्कूल प्रणाली में डिप्लोमा किया। बेरीनाग में स्वराज मंडल की स्थापित की। महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, खादी ग्रामोद्योग की गतिविधियों को बढ़ाया।

1975 सरला बहन के 75 वें जन्मदिन पर पद यात्रा शुरू की। 75 दिनों की लंबी यात्रा में वन संरक्षण, चिपको आंदोलन, शराब का विरोध और ग्राम स्वराज की स्थापना के लिए लोगों को जागरूक किया। 1976 में देवीधूरा ब्लाक से पदयात्रा शुरू की। 65 गांवों में यह यात्रा पहुंची। 40 बालवाड़ी, 30 महिला संगठन, 12 गांव को कृषि के लिए प्रेरित किया। 1980 में खनन के खिलाफ मोर्चा खोला। 2006 से 2010 तक राधा बहन में उत्तराखंड के हिमालय और नदियों का सर्वेक्षण किया। हाईड्रो पावर परियोजनाओं का विरोध किया। नदी में सुरंग बनाने, विस्फोटकों का इस्तेमाल आदि पर लोगों को जागरूक किया।1980 में कोपेहेगन, डेनमार्क में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन, 1982 में अमेरिका में गांधी विचार, महिला एवं सामाजिक विकास सम्मेलन में भाग लिया। 1984 में सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय कनाडा में विकास और लोगों की पहल कार्यक्रम में भाग लिया। 1987 में रावलपिंडी, पाकिस्तान में दक्षिण एशिया ग्रामीण विकास सम्मेलन में भाग लिया।सभाओं को संबोधित किया।राधा बहन ने 1988 में स्वीडन में दो महीने तक 30 बैठकों को संबोधित किया। पर्यावरण, अहिंसा, महिला सशक्तीकरण पर चर्चा की। 1975 में डनेमार्क में अहिंसा पर तीन महीने का व्याख्यान दिया। 1998 में बीजिंग, चीन में विश्व महिला सम्मेलन में भाग लिया।

वे लक्ष्मी आश्रम, हिमालय सेवा संघ, गांधी स्मारक निधि, कस्तूरबा ट्रस्ट, गांधी शान्ति प्रतिष्ठान, महिला हाट, गुजरात विद्यापीठ आदि से आप सदा अभिन्न रहीं और संस्था निर्माता-पोषक बनीं।

राधा बहन ने हिमालय की बेटी किताब भी लिखी है। जिसे जर्मन और डेनिस भाषा में भी प्रकाशित किया गया है। इसके अलावा वे दिन वे लोग भी पुस्तक हैं। यह यात्रा संस्मरण पर आधारित पुस्तक है।

(चिंतन-मनन)

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

विचार मंथन

बड़बोले ट्रंप को चीन और मेक्सिको ने दिखाया आईना

(लेखक- सनत जैन)

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी राजनीतिक शैली, बड़बोले स्वभाव और विवादास्पद फैसलों के लिए जाने जाते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद उनके कठोर और आक्रामक नीतिगत फैसलों ने वैश्विक मंच पर एक बड़ी अस्थिरता पैदा कर दी है। अमेरिका की साख पर भी सवाल खड़े हो गये हैं। शपथ ग्रहण के कुछ ही दिनों के अंदर मेक्सिको और चीन जैसे देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप की एकतरफा नीतियों को सीधे चुनौती देकर यह जता दिया है, कि आज की वैश्विक राजनीति में शक्ति-प्रदर्शन और धमकियों की एक सीमा है। यदि इस सीमा और शक्ति का दुरुपयोग किया जाएगा, तो जवाब मिलना तय है। मेक्सिको ने अमेरिकी सैन्य विमान को अपने देश में उतरने की अनुमति ना देकर ट्रंप की डिपोर्टेशन नीति को बड़ा झटका दे दिया है। यह कदम मेक्सिको की संप्रभुता की रक्षा के लिए लिया गया एक साहसिक निर्णय है। ट्रंप प्रशासन ने अवैध अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर निकालने के लिए जिस तरह का दमनकारी रुख अपनाया, वह मेक्सिको समेत कई देशों को अस्वीकार्य लगा। मेक्सिको का यह फैसला ट्रंप की विदेश नीति की विफलता को उजागर करता है। कमजोर समझे जाने वाले देश अपनी संप्रभुता और स्वाभिमान के लिए दृढ़ रह सकते हैं। इसका पुरजोर जवाब भी दे सकते हैं। इसी तरह से चीन ने ट्रंप प्रशासन को ढंग से रहिए जैसी सख्त भाषा का इस्तेमाल कर कड़ा संदेश दे दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप चीन को लेकर जिस तरह के बयान दे रहे थे, उससे लगता था, चीन अमेरिका का गुलाम है। राष्ट्रपति ट्रंप की भाषा गुंडों जैसी थी। उसी भाषा में चीन ने जवाब दे दिया। चीन प्रशासन का यह बयान अमेरिका-चीन संबंधों में बढ़ते तनाव का कारण बन रहा है। ट्रंप के व्यापारिक दबाव और मानवाधिकार पर आधारित आलोचनात्मक रुख को चीन ने खारिज कर दिया है। स्पष्ट है कि चीन, अमेरिका की दादागीरी के आगे झुकने के स्थान पर मुकाबला करने के लिए तैयार है। आज चीन का सस्ता सामान दुनिया भर में निर्यात हो रहा है। अमेरिका से ज्यादा देशों के चीन के साथ व्यापारिक, सामरिक एवं कारोबारी संबंध हैं। चीन और मेक्सिको ने अमेरिका को जवाब देकर यह स्पष्ट कर दिया है, वे अमेरिका से डरने वाले नहीं हैं। वैश्विक संबंध केवल शक्ति-प्रदर्शन या धमकियों पर आधारित नहीं रह सकते। एक राजा को दूसरे राजा के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। यह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को सीखना होगा। हर देश अपनी संप्रभुता और सम्मान के लिए लड़ने को तैयार है। ट्रंप का मानना है, कि उनकी आक्रामक नीतियां विश्व को अमेरिका के सामने झुकने पर मजबूर कर देंगी, इन दो घटनाओं से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को सबक लेना चाहिए। भारत को चीन और मेक्सिको देशों से इन परिस्थितियों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। मेक्सिको और चीन ने साबित किया है, कूटनीति में आत्मसम्मान और दृढ़ता का होना आवश्यक है। बिना इसके कोई भी राष्ट्र सुरक्षित नहीं हो सकता है। झुकाकर या दबाकर रिश्ते क़ायम नहीं रखे जा सकते हैं। यह समय है, भारत अपने स्वाभिमान को प्राथमिकता देते हुए वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा हो। केवल विश्व गुरु कह देने से बात बनने वाली नहीं है। विश्व गुरु बनने के लिए सशक्त विचार और मुकाबला करने की ताकत भी महत्वपूर्ण है। 1971 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका का जिस तरह से मुकाबला किया था। उससे अमेरिका और अन्य शक्तिशाली राष्ट्र भी हतप्रभ थे। 1980 के बाद अमेरिका जैसे राष्ट्र को भारत के साथ अपने संबंध सुधारने पड़े। तत्कालीन राष्ट्रपति रीगन को इंदिरा गांधी का सम्मान करने के लिए स्वयं उनकी कार तक आना पड़ा था। सम्मान उन्हीं को मिलता है, जो अपने कार्यों से सामने वाले को प्रभावित करते हैं। झुकने और समझौता करने वालों को कभी कोई सम्मान नहीं मिलता है। यह दुनिया का इतिहास है।

भारत जिस तरह से अमेरिका के सामने हाथ जोड़कर खड़ा है। अवैध रूप से गए हुए भारतीयों को वापस लेने के लिए स्वयं सहमत हो रहा है। इससे भारत की इज्जत पूरी दुनिया में कम हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना सबसे अच्छा मित्र बताते थे। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद वह भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, ऐसा व्यवहार तो दुश्मन भी अपने दुश्मन देश से नहीं करता है। अमेरिका के बड़बोले राष्ट्रपति ट्रंप को दुनिया के देशों से चुनौतियां मिलने की शुरुआत हो चुकी है। यूरोपीय देश भी अमेरिका के विरोध में अपने स्वर मुखर कर रहे हैं। इसके बाद भी अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपनी नीतियों में संतुलन और दुनिया के देशों के साथ सहयोग का दृष्टिकोण नहीं अपनाया।

फरवरी में खत्म हो रहा माधबी का कार्यकाल, सेबी के नए चेयरपर्सन की तलाश शुरू

केंद्र सरकार ने आवेदन किए आमंत्रित, 17 फरवरी है अंतिम तारीख

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने शेयर बाजार के रेगुलेटर सेबी की मौजूदा चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। माधबी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। वित्त मंत्रालय ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 17 फरवरी 2025 है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने जानकारी दी कि नए अध्यक्ष को दो वेतन विकल्पों में से चुनने का अधिकार होगा। भारत सरकार के सचिव के समान स्वीकार्य वेतन। हर महीने 5,62,500 की कंसॉलिडेटेड सैलरी होगी। इस विकल्प में घर और वाहन की सुविधा शामिल नहीं है। नियुक्ति अधिकतम पांच साल की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो के लिए की जाएगी। माधबी पुरी बुच ने 2 मार्च 2022 को सेबी चेयरपर्सन का कार्यभार संभाला था। वह सेबी की पहली महिला अध्यक्ष हैं और उनका कार्यकाल कई अहम फैसलों और विवादों से भरा रहा। इससे पहले, वह अप्रैल 2017 से मार्च 2022 तक सेबी की होल-टाइम मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। नई नियुक्ति के लिए प्रक्रिया की शुरुआत के साथ, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस पद पर कौन बैठता है और बाजार को किस दिशा में मोड़ता है।

चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी

- क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर, दिसंबर 2024 में 50.1 था

हांगकांग। चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी दर्ज की गई है। यह मंदी का कारण मुख्य रूप से श्रमिकों के चंद्र नववर्ष की छुट्टियों के लिए अपने गृहनगर जाना माना जा रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर आ गया, जो कि दिसंबर 2024 में 50.1 था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब है कि उत्पादन गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट दर्शाता है। नये ऑर्डर तथा उत्पादन में भी कमी आई है। गैर-विनिर्माण क्षेत्र के लिए समानांतर क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर के 52.2 अंक से फिसलकर जनवरी में 50.2 अंक पर आ गया है। ब्यूरो के एक वरिष्ठ सांख्यिकीविद् ने कहा कि कारखाना गतिविधियों में गिरावट अंशिक रूप से छुट्टियों के कारण है। उन्होंने बताया कि चीन में सबसे बड़ा त्यौहार चुंग जी का सार्वजनिक अवकाश है, जो मंगलवार से शुरू होगा और चार फरवरी तक जारी रहेगा। इसके दौरान लाखों नागरिक अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए शहरों से गांवों की ओर लौटते हैं। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2024 में पांच प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ाई थी, जो कि मजबूत निर्यात और प्रोत्साहन के परिणाम है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने की चेतावनी के बीच, देश का निर्यात परिदृश्य भी अनिश्चित है।

मुंबई 3.0 में 11 अरब डॉलर के निवेश करने को तैयार ब्लैकस्टोन

मुंबई।

देश में सबसे ज्यादा जीडीपी वाले राज्य महाराष्ट्र के लिए अच्छी खबर है। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी में शुमार ब्लैकस्टोन अगले तीन से पांच साल में महाराष्ट्र में 11 अरब डॉलर के निवेश करने को तैयार है। इस रकम को राज्य के प्रमुख शहरों में डेटा सेंटर, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी संपत्ति में निवेश किया जाएगा। अमेरिका के इस इंस्टीट्यूशनल निवेशक ने भारत के तेजी से बढ़ रहे प्रॉपर्टी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की व्यापक रणनीति बनाई है। इसके तहत कंपनी ने दावोस में राज्य सरकार के साथ तीन अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस साल वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में राज्य के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक ब्लैकस्टोन के कुल निवेश का करीब 5 अरब डॉलर मुंबई 3.0 में जाएगा। मुंबई 3.0 राज्य सरकार का एक अहम प्रोजेक्ट है। इसके तहत मुंबई और नवी मुंबई की क्षमता का विस्तार करने के लिए एक तीसरे शहर को विकसित किया जाएगा। मुंबई 3.0 को कर्नाला-साई-चिरनेर न्यू टाउन के नाम से भी जाना जाता है। इसके मुंबई के करीब स्थापित किया जाएगा। इससे मुंबई में जगह की कमी दूर होगी।

सूत्र ने कहा कि ब्लैकस्टोन पहला वैश्विक संस्थागत निवेशक होगा जो इस नए उभरते शहर में कार्यालय परिसरों, आतिथ्य संपत्तियों, खुदरा मॉल और वेयरहाउसिंग संपत्तियों के विकास को सपोर्ट करेगा। ब्लैकस्टोन ने अपने जॉइंट वेंचर पार्टनर पंचशील रियल्टी के साथ मिलकर राज्य में डेटा केंद्रों के विकास के लिए 3 अरब डॉलर तक का निवेश करने के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के साथ एक समझौता किया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ ही 86.27 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरमी के बीच रुपया आज सुब शुरुआती कारोबार में 22 पैसे की गिरावट के साथ 86.44 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि शुक्रवार को भारतीय रुपये में बढ़त दर्ज की गई थी, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क संबंधी फैसले पर अनिश्चितताओं के बीच सोमवार को यह गिरावट के साथ खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 86.35 पर खुला और फिर फिसलकर 86.44 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया शुक्रवार को 22 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.22 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ 107.67 पर बंद हुआ था।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कर्ज 12 प्रतिशत घटा

- शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपए था

मुंबई । भारतीय रियल एस्टेट बाजार में स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी का शुद्ध ऋण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 12 प्रतिशत घटकर 4,320 करोड़ रुपये रह गया है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित आंकड़ों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ब्रांड के तहत संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स का शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपये था। इसके बाद की चुनौतियों और संघर्षों के बारे में भी उन्होंने बात की। उन्होंने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है और उनकी उम्मीद भी वित्त वर्ष के समापन में मजबूत होगी। उन्होंने कहा` कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही पूर्व-बिक्री मामले में हमारी अब तक की सबसे मजबूत तिमाही रही। संग्रह के मामले में भी यह अब तक की सबसे अच्छी तिमाही रही। उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों के बारे में भी बात की और कहा कि महत्वपूर्ण व्यावसायिक विकास और मजबूत परिचालन प्रदर्शन के दम पर उनका शुद्ध ऋण करीब 600 करोड़ रुपये कम हो गया है और अब करीब 4,300 करोड़ रुपये का है। इसका ऋण समता अनुपात 0.22 है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, निवेशकों को 9 लाख करोड़ का नुकसान

सेंसेक्स 824 अंक टूटा, निफ्टी 263 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। घरेलू । कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणाम उम्मीद से कम रहने और अमेरिका की नई सरकार की कारोबार नीति को लेकर जारी संशय से भी बाजार टूटा। विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। इसी कारण आज कारोबर के दौरान बेंचमार्क इंडेक्स निफ़्टी और सेंसेक्स एक फीसदी से अधिक गिरा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 824.29 अंक करीब 1.08 फीसदी टूटकर 75,366.17 पर बंद हुआ था। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज काका निफ्टी भी 263.05 अंक तकरीबन 1.14 फीसदी नीचे आकर 22,829 पर बंद हुआ।

आज बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर में तकनीकी शेयरों में आई गिरावट रह। एआई क्षेत्र में में हाई-टेक चिप्स की भारी मांग से निवेशकों में भय का माहौल रहा और वे बाजार से दूसरे हो गये। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के पड़ोसी देशों पर अधिक टेरिफ शुल्क लगाने की घोषणा से बाजार में भारी गिरावट आई। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला लगातार जारी रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ाहै। विदेशी निवेशक पिछले कारोबारी सत्र सेशन में सबसे बड़े बिकवाल रहे। उन्होंने कुल 13,988.96 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं। शेयर बाजार में सोमवार को आई गिरावट से निवेशकों को 9.40 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ । बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 4,19,51,854 करोड़ रुपये था। यह सोमवारक को घटकर 4,10,08,631 करोड़ रुपये रह गया। इस प्रकार कंपनियों को 9.40 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस बड़ी गिरावट के साथ अपने ऑल टाइम हाई से लगभग 13 फीसदी नीचे आया है , वहीं, बीएसई सेंसेक्स भी अपने ऑल टाइम हाई से 12 फीसदी से अधिक गिरा है।

वहीं आज सुबह बाजार बड़ी गिरावट लेकर खुला। इससे पहले भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरा हफ्ता गिरावट में बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की शुरुआत सोमवार को बढ़त के साथ हुई, लेकिन बाद में यह मिलाजुला रुख अपनाए रहे। निक्कई 0.18 फीसदी गिरा, जबकि टोपिक्स 0.4 फीसदी ऊछला। वहीं ऑस्ट्रेलिया, ताइवान, और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे।

स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने बुनियादी ढांचा खर्च को मिले प्राथमिकता: जिंदल

सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी

नई दिल्ली ।

भारत के सबसे बड़े स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस को उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट में स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के विकास में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिनमें जलमार्ग, रेलवे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना, आवश्यक कच्चे माल के आयात पर शून्य आयात शुल्क जारी रखना और सस्ते आयात से होने वाले नुकसान को रोकना शामिल है। केंद्रीय बजट 2025-26 से पहले जिंदल स्टेनलेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने के लिए, हम सरकार को बुनियादी ढांचे पर खर्च को प्राथमिकता देते रहने और अंतर्देशीय जलमार्ग, रेल बुनियादी ढांचे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे के विकास पर खास ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने इस उद्योग के लिए और भी कई सुझाव दिए, जैसे कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आयात शुल्क पर बदलाव करना। जिंदल स्टेनलेस ने सरकार को स्टेनलेस स्टील उद्योग के उत्थान के लिए और भी कई कदम उठाने की सलाह दी है, जिससे घरेलू उद्योग मजबूत हो सके और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिल सके। उनके अनुसार इन प्रयासों से स्टेनलेस स्टील उद्योग को नया उत्थान मिलेगा और देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक होगा। आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हुए जिंदल स्टेनलेस ने सरकार से आग्रह किया है कि घरेलू स्टेनलेस स्टील उद्योग को समर्थन प्रदान करने के लिए आवश्यक उपायों पर ध्यान दिया जाए। यह स्थायी सुधार उद्यमिता को प्रेरित करेगा और उद्योग को विकसित करने में साहायक साबित होगा। सरकार की दिशानिर्देशना और जिंदल स्टेनलेस की उम्मीदें मिलकर भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग को नई ऊर्जा और उत्साह मिलेगा। यह उभरते भारत के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है जो आर्थिक समृद्धि और उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने टीपी-लिंक के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली ।

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भारत में अपने नेटवर्किंग उपकरणों तथा स्मार्ट घरेलू उत्पादों के विनिर्माण के लिए अग्रणी वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड टीपी-लिंक के साथ साझेदारी की सोमवार को घोषणा की। दोनों कंपनियों के अनुसार इस रणनीतिक साझेदारी का मकसद कनेक्टेड डिवाइस के लिए भारत की बढ़ती मांग को पूरा करना तथा भारत में विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक को निर्यात बाजारों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें कहा गया कि यह सहयोग टीपी-लिंक के मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को और दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनने के भारत के संकल्प को मजबूत करता है। इन उत्पादों का विनिर्माण ओईएल की सुविधा में किया जाएगा, जिसकी प्रति वर्ष 60 लाख उपकरणों के उत्पादन की क्षमता है। विज्ञप्ति में कहा गया` कि यह सहयोग निर्यात बाजारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के विकास और विनिर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इसमें कहा गया, ओईएल, टीपी-लिंक के लिए पावर एडॉप्टर, मैकेनिकल पाट्र्स और अन्य चीजें उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। इस समझौते से आयात निर्भरता कम होगी और आपूर्ति पर बेहतर नियंत्रण मिलेगा।

भारत के निर्यातकों की मजबूत स्थिति- अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान का जलवा

- पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात बढ़कर 59.93 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

अमेरिका में ट्रंप युग की शुरुआत हो गई हो और उन्होंने विभिन्न देशों, भारत सहित, पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी हो लेकिन भारत के निर्यातकों ने बजाय हर्जाने के अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूती साबित की है। नवंबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत ने अमेरिका को हर घंटे लगभग 80 करोड़ रुपए का सामान` निर्यात किया है। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पादों की मांग अमेरिकी बाजार में बढ़ रही है और निर्यात में वृद्धि हो रही है। पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात 5.57 फीसदी बढ़कर 59.93 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो मौजूदा रुझान की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 8.49 फीसदी बढ़कर सात अरब डॉलर रहा है। भारतीय निर्यात में यह वृद्धि सकारात्मक संकेत देती है और भारत के भीतर उत्पादन की वृद्धि को प्रोत्साहित करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में निर्यात के लिए अच्छे मौके हैं, जिससे भारतीय उत्पादकों के लिए नये दरवाजे खुल सकते हैं। आगे चलकर, इस व्यापारिक संबंध का विस्तार होने की संभावना है और भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में और बढ़ोतरी हो सकती है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट

हो रहा है कि भारतीय निर्यातकों की क्षमता और उत्पादन अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज हो रही है। यह संकेत भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका में बड़ी संभावनाएं दर्शाता है, जो आने वाले वर्षों में निर्यात में और वृद्धि को देख सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 2024 में ऐतिहासिक वृद्धि

- इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड योजनाओं में कुल निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज करते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने बताया कि इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड योजनाओं में कुल निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए हुआ, जो 2023 के 1.6 लाख करोड़ रुपए से दोगुना बढ़कर अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि निवेशकों के बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक निवेश की ओर इशारा करती है। हालांकि, इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद 2025 के लिए बाजार में सतर्कता का माहौल देखा जा रहा है। जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज के सह-संस्थापक और सीईओ संतोष जोसेफ ने दिसंबर में इक्विटी फंड प्रवाह में कमी का संकेत दिया है, जिसे बाजार में बढ़ती अस्थिरता के कारण देखा जा रहा है। जोसेफ ने कहा कि इतिहास गवाह है कि इक्विटी फंड्स में निवेश प्रवाह बाजार के प्रदर्शन से गहराई से जुड़ा होता है। जब बाजार में अनिश्चितता रहती है, तो निवेशक गतिविधि धीमी हो जाती है। उन्होंने इस प्रवृत्ति का कारण बाजार में बढ़ती अस्थिरता बताया और जोड़ा कि 2025 में नए फंड लॉन्च और इक्विटी फंड जुटाव में कमी देखने का संकेत मिल सकता है। इसके बावजूद दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिति उत्साहजनक है और विशेषज्ञों का मानना है कि जो बाजार में बने रहते हैं, वे स्थिरता आने पर इक्विटी मार्केट्स की संपत्ति सृजन क्षमता का लाभ उठा सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हुई इस वृद्धि ने दिखाया कि निवेशक आधुनिक और दीर्घकालिक योजनाओं को अधिक पसंद करने लगे हैं, पारंपरिक विकल्पों से हटकर।

किसानों के लिए खुशखबरी: केंद्र सरकार का खेत से उपभोक्ता तक मॉडल

- 40 रुपये किलो वाला गेहूं अब 30-35 में मिलेगा!

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। केंद्र सरकार एक नए मॉडल पर काम कर रही है, जिससे कृषि उत्पादों की खरीदी-बिक्री में बिचौलियों की भूमिका कम होगी तो अनाज की कीमतों पर इसका असर देखने को मिल सकता है, इसलिए हो सकता है कि जो गेहूं बाजार में 40 रुपये किलो मिल रहा है वह 35 रुपये किलोग्राम तक ग्राहकों को मिल जाए। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मॉडल के महत्व पर जोर दिया और कहा कि यह किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाएगा। इस मॉडल के तहत भारतीय किसान अपनी उपज को सीधे उपभोक्ताओं तक बेच सकेंगे, जिससे अनाज की कीमतों में स्थिरता आ सकती है। इसके अलावा सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद, प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों को प्रोत्साहित करने और कृषि विज्ञान केंद्रों को मजबूत करने का काम भी जारी रखा है। चौहान ने कहा कि किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उनके बिना देश समृद्ध नहीं हो सकता। इसीलिए सरकार ने किसानों को सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

कृषि क्षेत्र और किसानों का योगदान अहम है, और ऐसे कदम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इस नए मॉडल से किसानों को आर्थिक अवसरों में और सुधार मिलेगा, जिससे उनकी स्थिति में सुधार आ सकता है।

इस बार का बजट 2047 के विजन को मजबूत करने वाला होगा

अब खपत बढ़ाने के कदम उठाने की भी जरूरत है

नई दिल्ली ।

इस बार को केंद्रीय बजट ऐसे समय में पेश किया जाएगा जब देश की आर्थिक वृद्धि में गिरावट देखी जा रही है। वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता, विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट और वैश्विक नीति की अनिश्चितताओं से चुनौतियां बढ़ गई हैं। साथ ही अमेरिका में नई सरकार बनने से वैश्विक माहौल और भी मुश्किल हो गया है। इन परिस्थितियों में बजट का मुख्य फोकस विकास को तेज करना और 2047 तक 'विकसित भारत' के विज़न को पूरा करने की दिशा में कदम उठाना होना चाहिए। कोविड के बाद सरकार का फोकस कैपेक्स के जरिए आर्थिक सुधार पर रहा है, जो अब तक सफल रहा है। हालांकि, इसे जारी रखने के साथ ही अब कंजम्पशन बढ़ाने के कदम उठाने की भी जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कंजम्पशन यानी खपत बढ़ेगी, तो इससे प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए बजट में पर्सनल इनकम टैक्स में 5 फीसदी तक की कटौती पर विचार करना चाहिए। भले ही इससे जीडीपी का 0.2 फीसदी राजस्व नुकसान होगा, लेकिन इससे लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी और कंज्यूमर सेंटिमेंट में सुधार होगा। कमजोर जॉब क्रिएशन और कम रियल वेज ग्रोथ ने कंज्यूमर सेंटिमेंट को कमजोर किया है। आरबीआई के हाउसहोल्ड सर्वे के मुताबिक, महामारी के बाद से ही लोगों का भरोसा नकारात्मक बना हुआ है। ऐसे में टैक्स में कटौती और खर्च करने की क्षमता बढ़ाने से डिमांड में सुधार हो सकता है, जो अर्थव्यवस्था को गति देगा। सरकार को अपने फिस्कल कंसॉलिडेशन प्रयासों की गति को थोड़ा धीमा करने की जरूरत है, ताकि ग्रोथ बढ़ाने वाले कदमों पर ध्यान दिया जा सके। सरकार ने वित्त वर्ष 26 तक फिस्कल डेफिसिट को जीडीपी के 4.5 फीसदी से कम करने का लक्ष्य रखा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीसरे टी20 में इंग्लैंड को हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी भारतीय टीम

राजकोट (एजेंसी)। पहले दो टी20 मैचों में जीत से उत्साहित भारतीय टीम मंगलवार को यहां मेहमान टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 से आगे है। उसका लक्ष्य तीसरा मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा।

अब तक हुए दोनो ही मुकाबलों में भारतीय टीम हावी रही है। भारतीय टीम ने पहला मैच 7 विकेट जबकि दूसरा 2 विकेट से जीता था। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम भी इस मैच को किसी भी हाल में जीतकर सीरीज में वापसी करना चाहेगी हालांकि इसके लिए उसे बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

इस मैच में पिच बल्लेबाजों के अनुरुपस है। यहां पर बल्लेबाजों को ज्यादा सहायता मिलती है। अच्छी पेस और उछाल होने की वजह से गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है। यहां पर बड़े स्कोर वाला मैच होने की संभावना है। अब तक इस मैदान पर कुल पांच टी20 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जबकि दो बार दूसरी बार बल्लेबाली करने वाली टीम ने जीते हैं।

यहां पर टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने को देख सकती हैं, इससे यह फायदा होगा कि पहले बल्लेबाजी करके टीम अच्छा स्कोर खड़ा कर सकती है और विरोधी टीम पर रनों का दबाव डाल सकती है। बता दें कि खेल जैसे-जैसे आगे बढ़ता है पिच बल्लेबाजों के लिए थोड़ी कठिन होती जाती है। पहली पारी की तुलना में यहां दूसरी पारी में रन बनाना इतना आसान नहीं है। भारतीय टीम की ओर से पहले टी20 में अभिषेक शर्मा जबकि दूसरे टी20 में तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी की थी। अब इन दोनो का ही लक्ष्य इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा।

वहीं इंग्लैंड की बात करें तो अब तक दोनों टी-20 मुकाबलों में कप्तान जोस बटलर को छोड़कर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। ऐसे में तीसरे मुकाबले में अन्य खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड अच्छी लय में थे पीर हालांकि, अन्य गेंदबाजों को उनका साथ देना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत-सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, मोहम्मद शमी , अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा।

इंग्लैंड- जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, फिल साल्ट (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, बेन डकेट, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, ब्रायडन कार्स, गस एटकिंसन, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), आदिल राशिद , जैकब बेथेल।

नागल शीर्ष 100 से बाहर, बोपन्ना को अक्टूबर 2022 के बाद पहली बार शीर्ष 20 में जगह नहीं

मेलबर्न (एजेंसी)। नयी दिल्ली । भारत के सुमित नागल एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में लगातार 10 महीने शीर्ष 100 में रहने के बाद लचर प्रदर्शन के कारण जारी नवीनतम रैंकिंग में इससे बाहर हो गए जबकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जल्दी हारने के कारण अनुभवी रोहन बोपन्ना भी अब युगल रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों का हिस्सा नहीं हैं। नागल मार्च 2024 से शीर्ष 100 खिलाड़ियों में शामिल थे। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ओपन में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत फरवरी 2024 में पहली बार शीर्ष 100 एकल खिलाड़ियों की सूची में जगह बनाई थी।

नवीनतम रैंकिंग में वह हालांकि 16 स्थान के नुकसान से 106वें नंबर पर खिसक गए हैं। उनके 565 अंक हैं। नागल पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। उन्होंने जुलाई में विंबलडन 2024 के बाद से 18 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और इस दौरान एटीपी टूर और चैलेंजर सर्किट पर मुख्य ड्रॉ के केवल तीन मैच जीत पाए। शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ियों को ग्रैंडस्लैम सहित बड़ी प्रतियोगिताओं में सीधे प्रवेश मिलता है जहां पहले दौर में हार के बावजूद खिलाड़ियों ठीक-ठाक इनामी राशि मिल जाती है। नागल के बाद शशिकुमार मुकुंद 365वें स्थान पर हैं। उन्हें दो स्थान का फायदा हुआ है।

रामकुमार रामनाथन एक स्थान के नुकसान से 406वें जबकि उनके बाद करण सिंह (20 स्थान के नुकसान से 496वें स्थान पर) और आर्यन शाह (नौ स्थान के नुकसान से 593वें स्थान पर) का नंबर आता है। बोपन्ना युगल रैंकिंग में पांच स्थान के नुकसान से21वें स्थान पर खिसक गए हैं। यह 44 वर्षीय खिलाड़ी मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में अपने नए जोड़ीदार निकोलस बेरिनटोस के साथ हार गया। यह भारतीय ऑस्ट्रेलियाई ओपन में गत चैंपियन है।

बोपन्ना तीन अक्टूबर 2022 से नियमित तौर पर शीर्ष 20 में शामिल हैं। युकी भांबरी 47वें स्थान पर बने हुए हैं जबकि उनके बाद एन श्रीराम बालाजी (एक स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर), रित्विक चौधरी बोल्लीपल्ली (सात स्थान के नुकसान से 79वें स्थान पर) और अर्जुन काधे (एक स्थान के फायदे से 83वें स्थान पर) का नंबर आता है। मुकुंद, रामकुमार, बालाजी, करण सिंह और बोल्लीपल्ली भारतीय डेविस कप टीम का हिस्सा हैं जो एक और दो फरवरी को विश्व ग्रुप एक प्ले ऑफ मुकाबले में टोगो से भिड़ेगी। नागल और युकी ने स्वयं को डेविस कप मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रखा है।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में खेल अहम भूमिका निभा सकते हैं: मांडविया

गांधीनगर (एजेंसी)। । केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत को आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तब विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में खेल एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकता है। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री ने कहा कि 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की प्रतिबद्धता उसकी बढ़ती शक्ति का प्रतीक है। मांडविया ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अनुसंधान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कहा, '' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें 2036 में देश में ओलंपिक का आयोजन करना है। यह भारत की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।''

मंत्री ने कहा कि ऐसे समय में जब भारत 2047 में एक विकसित देश बनने की ओर बढ़ रहा है और आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा तब खेल इस लक्ष्य को हासिल करने में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकते हैं। मांडविया ने अनुसंधान और नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए कहा, '' हम अगर अनुसंधान और नए विचारों को लागू करने में विफल रहे तो लगातार प्रगति करने वाली दुनिया में पीछे रह जायेंगे।''

उन्होंने कहा, '' जब हम खेलों को बढ़ावा देते हैं तो हमें कई मुद्दों का समाधान मिल जाता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'खेलो इंडिया' का नारा दिया और नागरिकों को फिट रखने के लिए 'फिट इंडिया' अभियान शुरू किया।'' उन्होंने कहा, '' 'फिट इंडिया' नागरिकों के बीच शारीरिक और मानसिक फिटनेस सुनिश्चित करने के बारे में है और ऐसे लोग एक आदर्श समाज बनाते हैं, जो स्वस्थ हो और एक विकसित देश का मार्ग प्रशस्त करे।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, '' खेल देश की बढ़ती ताकत का प्रतीक है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2036 तक हमें खेल क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष 10 में आना है और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा तो हमें खेलों में शीर्ष पांच में रहना है।

बांग्लादेश को आठ विकेट से रौंद कर भारत टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में

कुआलालंपुर (एजेंसी)। वैष्णवी शर्मा (15 रन पर तीन विकेट) के कातिलाना प्रदर्शन के बाद गोंगाडी तृषा (40) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के मुकाबले में रविवार को बांग्लादेश को आठ विकेट से रौंद कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम मंगलवार को अपने अंतिम सुपर सिक्स क्रिकेट मैच में स्कॉटलैंड से खेलेगा। भारतीय महिला टीम की कप्तान निकी प्रसाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और शानदार गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को 20 ओवर में सिर्फ 64 रनों पर ही समेट दिया। बाद में 65 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ने महज 7.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर आठ विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की। बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और पहले ओवर में ही सलामी बल्लेबाज मोसम्मत ईवा (2) का विकेट गंवाया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश ने घुटने टेक दिए और लगातार विकेट खोए। बांग्लादेश के किसी भी बल्लेबाज ने बड़ा स्कोर नहीं बनाया। कप्तान सुमैया अख्तर ने सबसे ज्यादा एक चौके के साथ 29 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश ने 20 ओवर में आठ

विकेट खोकर भारत को 65 रनों का लक्ष्य दिया। वैष्णवी शर्मा का इस मैच भी शानदार प्रदर्शन जारी रहा और उन्होंने तीन विकेट हासिल किए। इसके अलावा शबनम शकील, जोशिता वीजे और गोंगाडी तृषा ने एक-एक विकेट लिया। गोंगाडी तृषा ने दमदार बल्लेबाजी की और 31 गेंदों में 40 रनों की पारी खेली, जिसमें आठ चौके जड़े।

साल 2024 के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय पुरुष क्रिकेटर का अवार्ड उमरजई को मिला

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने साल 2024 के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय पुरुष क्रिकेटर का अवार्ड अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई को दिया है। उमरजई के अच्छे प्रदर्शन से ही साल 2024 में अफगानिस्तान की टीम अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रही थी। उमरजाई पिछले साल दुनिया के सबसे अच्छे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में भी शामिल रहे थे।। उमरजई ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया हालांकि एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अधिक सफल रहे और रहमानुल्लाह गुरबाज के बाद उन्होंने अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो केवल एएम गजनफर ही उनसे अधिक विकेट ले पाये। अफगानिस्तान की टीम साल 2024 में अपनी पांच में से चार एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही थी।

13 साल बाद रणजी ट्रॉफी में खेलने उतारेंगे विराट कोहली

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली अगले हफ्ते अरुण जेटली स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी में वापसी करने वाले है। दिल्ली की टीम अपने आखिरी ग्रुप मैच में रेलवे से भिड़ना है। कोहली 13 साल बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने नवंबर 2012 में गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश के खिलाफ आखिरी रणजी मैच खेला था। यह वापसी बीसीसीआई के नए नियमों के तहत हो रही है, जिसमे सभी भारतीय खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी है। डीडीसीए ने कोहली की वापसी के लिए खास इंतजाम किए हैं। स्टेडियम में सुरक्षा बढ़ाई गई है और करीब 10,000 दर्शकों के लिए जगह बनाई जा रही है। नॉर्थ एंड और ओल्ड क्लब हाउस दर्शकों के लिए खोले जाएंगे। जरुरत पड़ने पर बाकी स्टैंड के ग्राउंड फ्लोर पर भी दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। डीडीसीए ने घोषणा की है कि इस मैच के लिए कोई टिकट नहीं जारी किया जाएगा। सभी दर्शक मुफ्त में मैच देख सकते है।

बुमराह और मंधाना को मिले आईसीसी अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और महिला क्रिकेटर को आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर स्मृति मंधाना को अच्छे प्रदर्शन के लिए आईसीसी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। बुमराह को आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 चुना गया है। वहीं मंधाना को महिला एकदिवसीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया है। बुमराह साल 2018 के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर हैं। साल 2018 में विराट कोहली टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड मिला था।

आईसीसी ने 2024 में अलग-अलग प्रारुप के श्रेष्ठ क्रिकेटरों के नाम जारी किए हैं। आईसीसी ने हर प्रारुप में चार-चार खिलाड़ियों को नामांकित किया था। टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए बुमराह सबकी पसंद रहे। बुमराह ने इंग्लैंड के जो रूट, हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस को पीछे छोड़ा।.

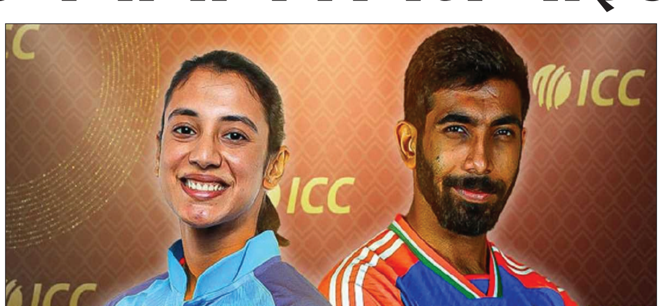

बुमराह का 2024 में गजब का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने इस साल 13 टेस्ट मैचों में 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी ने सबसे अधिक 32 विकेट लिस। वहीं इंग्लैंड के जो रूट ने 2024 में 17 टेस्ट में 1556 रन और हैरी ब्रूक ने 12 टेस्ट में 1100 रन बनाए थे। श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस ने 9 टेस्ट में 1049 रन बनाये थे।

महिला क्रिकेट की बात करें तो मंधाना ने ऑस्ट्रेलिलया की लौरा वोल्वार्ड्ट, श्रीलंका की चमारी अटापट्टू और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए आईसीसी महिला एकदिवसीयश् क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 अवॉर्ड अपने नाम किय।. मंधाना ने इस साल 13 वनडे मैच में 4 शतकों की मदद से सबसे अधिक 747 रन बनाए थे।

शिवम दुबे की भारतीय टीम में वापसी संभव, नीतीश रेड्डी और रिंकू सिंह चोटिल

मुंबई । इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय टीम को बड़ा झटका लग सकता है क्योंकि उभरते हरफनमौला खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शेष मैचों से बाहर हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, रेड्डी को कम से कम चार सप्ताह के आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत है, जिससे उनकी वापसी अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान ही संभव होगी। रेड्डी की अनुपस्थिति में, 31 वर्षीय शिवम दुबे को भारतीय टीम में बुलाए जाने की संभावना है। दुबे 28 जनवरी को राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले टीम में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पिछली बार जुलाई 2023 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, लेकिन पीठ की चोट के कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा था। हाल ही में घरेलू क्रिकेट में वापसी के बावजूद, दुबे का प्रदर्शन रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ प्रभावित नहीं कर सका, जहां वह दोनों पारियों में खाता खोलने में असफल रहे। रेड्डी के चोटिल होने के अलावा, रिंकू सिंह भी चोटिल बताए जा रहे हैं। उनकी जगह चयनकर्ताओं ने रमनदीप सिंह को टीम में शामिल किया है। यह भारतीय टीम के लिए चुनौतीपूर्ण समय है, क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन बनाए रखना अहम होगा। शिवम दुबे ने अब तक 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 135 की स्ट्राइक रेट से 448 रन बनाए हैं और गेंदबाजी में 11 विकेट चटकाए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में महिला एकल चैंपियन मैडिसन कीज ने सोमवार को जारी ड्ब्ल्यू विश्व रैंकिंग में अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करते हुए फिर से शीर्ष 10 में जगह बनाई जबकि पुरुष वर्ग के चैंपियन यानिक सिनर ने एटीपी सूची में अपनी महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी। कीज ने शनिवार को शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका पर तीन सेट की जीत के साथ अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इससे वह सात स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। कीज महिला वर्ग में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाली अमेरिका की चौथी खिलाड़ी है। उनके अलावा कोको गॉफ (नंबर तीन), जेसिका पेगुला (नंबर छह) और एम्मा नवारो (नंबर नौ) शीर्ष 10 में शामिल अन्य अमेरिकी खिलाड़ी हैं। सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खिताब की हैट्रिक पूरी नहीं कर पाई लेकिन वह नंबर एक पर बनी हुई हैं। उनके बाद इगा स्वियातेक का नंबर आता है जो सेमीफाइनल में कीज से हार गई थी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग क्विनवेन तीन स्थान गिरकर आठवें स्थान पर खिसक गई है जबकि पाओला बडोसा मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष 10 में पहुंच गईं। पुरुषों के वर्ग में चोटी के चार खिलाड़ियों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले साल जून से नंबर एक पर काबिज सिनर इस स्थान पर बने हुए हैं जबकि फाइनल में उनसे हारने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद कार्लोस अलकराज और टेलर फ्रिट्ज का नंबर आता है। पांव की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सेमीफाइनल से हटने वाले नोवाक जोकोविच एक पायदान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि दानिल मेदवेदेव दो पायदान नीचे सातवें स्थान पर फिसल गए हैं।

ओडिशा वॉरियर्स ने महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग का खिताब जीता

रांची (एजेंसी)। ओडिशा वॉरियर्स महिला हॉकी इंडिया लीग का पहला खिताब अपने नाम करने में सफल रही है। रविवार रात खेले गए फाइनल में वॉरियर्स की टीम ने सूरमा हॉकी क्लब को 2-1 से मात दी। टीम की जीत की स्टार खिलाड़ी रहीं ऋतुजा डाडासो पिसाल। ऋतुजा ने 20वें और 56वें मिनट में दो गोल किए। ऋतुजा के पहले गोल के बाद पेनी साकिब ने 28वें मिनट में बराबरी का गोल किया। मैच बराबरी का चल रहा था, लेकिन आखिरी मिनट में ऋतुजा ने एक और गोल कर अपनी टीम को आगे किया और जीत दिलाई।

मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। दोनों टीमों के अंदर जीत को लेकर जुनून नजर आ रहा था। दोनों ही टीमें बढ़त लेने की कोशिश कर रही थीं। वॉरियर्स की फ्रीके मूस ने सर्किल में पहली एंट्री की और गोल करने की प्रयास किया जिसे सूरमा के डिफेंस ने चालाकी से नकार दिया। दोनों टीमें लगातार कोशिश कर रही थीं, लेकिन गोल नहीं कर पा रही थीं। सबसे करीबी मौका नेहा ने बनाया। उन्होंने ऋतुजा को पोस्ट के करीब पास दिया, लेकिन सूरमा की गोलकीपर सविता ने गोल नहीं होने दिया। पहले क्वार्टर में गोल नहीं हो सका।

दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमें लड़ाई लड़ती रहीं। कुछ देर बाद ही वॉरियर्स ने पहला गोल कर बढ़त ले ली। विक्टोरिया साउज ने सर्किल में पास दिया और ऋतुजा ने शानदार तरह से गेंद को अपनी हॉकी से गोलपोस्ट में डाल दिया। सविता यहां कुछ नहीं कर सकीं और वॉरियर्स की टीम आगे हो गई। हालांकि, टीम की बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी क्योंकि आठ मिनट बाद ही पेनी साकिब ने बराबरी का गोल कर दिया। उन्होंने टॉप राइट कॉर्नर में काफी तेजी से गेंद को पोस्ट में डाला। वॉरियर्स की गोलकीपर जोसेलिन बार्टराम के पास इस शॉट का जवाब नहीं था। हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर था।

तीसरे क्वार्टर में दोनों ही टीमें काफी कोशिशों के बाद भी गोल नहीं कर सकीं। चार्लोट इंगेलबेर्ट और ओलिविया शेनन ने कई बार कोशिश की लेकिन वॉरियर्स की गोलकीपर जोसेलिन ने शानदार बचाव कर बढ़त नहीं लेने दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों गोल नहीं कर पाईं। आखिरी क्वार्टर में मुकाबला और रोचक हो गया। दोनों ही टीमें बड़ी आक्रामकता से गोल करने की कोशिश करने लगीं। इस क्वार्टर में आठ मिनट का समय ही हुआ था कि वॉरियर्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन नेहा इसे गोल में नहीं बदल पाईं। कुछ देर बाद ऋतुजा ने सूरमा के डिफेंस से हुई गलती का फायदा उठाया और गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में डाल अपनी टीम को आगे कर दिया। उनका ये गोल विजयी गोल साबित हुआ।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआइएल) फाइनल मैच की विजेता टीम ओडिशा वॉरियर्स को पुरस्कार

राशि का चेक, मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया। मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। फाइनल मुकाबला के दौरान स्टेडियम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस रंगारंग कार्यक्रम एवं आतिशबाजी का हजारों की संख्या में पहुंचे दर्शकों ने आनंद उठाया। महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन संस्करण का शानदार समापन हुआ। इस अवसर पर पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार, अध्यक्ष हॉकी इंडिया डॉ0 दिलीप तिर्की, सेक्रेटरी जनरल हॉकी इंडिया भोला नाथ सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अर्शदीप सिंह बने आईसीसी पुरुष टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024

दुबई । भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण तब आया जब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 'आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 चुना गया। 25 वर्षीय अर्शदीप ने 2024 में 18 टी20 मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 36 विकेट हासिल किए। यह उपलब्धि उन्हें न केवल भारतीय क्रिकेट में बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाजों में से एक बनाती है। इससे पहले, अर्शदीप को रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के साथ आईसीसी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टी20 टीम में शामिल किया गया था। आईसीसी द्वारा जारी एक वीडियो संदेश में अर्शदीप ने इस सम्मान के लिए अपने कोच, खिलाड़ियों और स्पोर्ट्स स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनकी मेहनत और समर्थन के बिना संभव नहीं था। 2024 टी20 विश्व कप में अर्शदीप का प्रदर्शन भारत की सफलता की आधारशिला साबित हुआ। भारतीय टीम ने 17 वर्षों बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। जसप्रीत बुमराह के साथ अर्शदीप ने भारत के तेज आक्रमण का नेतृत्व किया और टूर्नामेंट में 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान साझा किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं –

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रेशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

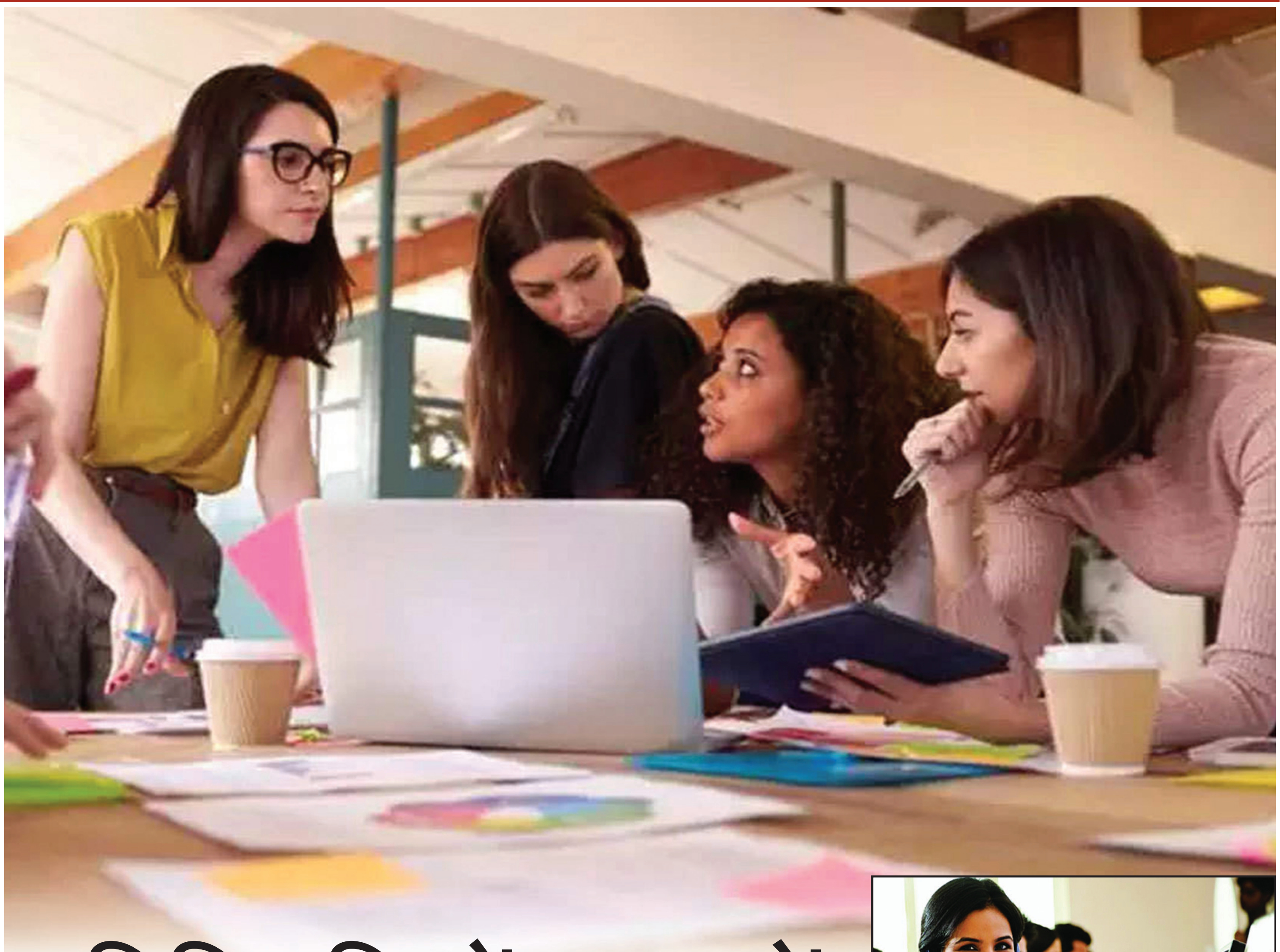

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बताों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है–

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ के तीसरे स्नान पर्व लिये मेला प्रशासन ने कसी कमर, 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

महाकुंभनगर (एजेंसी)। संगम की रेती पर उमड़ रहे जनसैलाब के बीच मेला प्रशासन ने 29 जनवरी को महाकुंभ के तीसरे स्नान पर्व मौनी अमावस्या के लिये चाक चौबंद इंतजाम किये हैं। मौनी अमावस्या के दिन करीब 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। मेला प्रशासन और कुम्भ पुलिस की हरसंभव कोशिश है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मेला प्रशासन और कुम्भ पुलिस ने अमृत स्नान पर्व को देखते हुए व्यापक तैयारियां की हैं। पूरे मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। संगम तटों पर बैरिकेडिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे। श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए हर सेक्टर और जोन में विशेष व्यवस्था की गई है। इस दौरान किसी भी तरह का प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा। संगम नोज पर अत्यधिक भीड़ जमा न हो, इसके लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर मॉनिटरिंग करेगा। भीड़ वाले इलाकों में त्वरित कार्यवाही के लिए विशेष दल तैनात किए गए हैं। प्रमुख मार्गों पर खास निगरानी की जा रही है। साथ ही, अराजक और

संदिग्ध लोगों पर भी नजर रखी जा रही है।

मेला क्षेत्र में अतिक्रमण कर लगाए गए अवैध दुकानों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। निरंतर कारवाई भी की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा के लिए साफ और चौड़ी सड़कें उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वच्छता कर्मियों को साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी पार्किंग क्षेत्रों को सक्रिय कर दिया गया है, जहां श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी। ट्रैफिक प्लान के अनुसार पहले सबसे पास की पार्किंग में वहां पार्क कराए जाएंगे और इसके बाद दूसरी पार्किंग को उपयोग में लाया जाएगा। 2000 से अधिक नए साइनेज लगाए गए हैं ताकि लोग सही दिशा में आसानी से जा सकें।

श्रद्धालुओं को मेला का आधिकारिक चैटबॉट डाउनलोड करने की अपील की गई है। यह चौटबॉट श्रद्धालुओं को हर तरह की जानकारी देगा, जिससे उनकी यात्रा और भी सुविधाजनक होगी। इसके साथ ही गूगल नेविगेशन और पुलिसकर्मी भी श्रद्धालुओं को सही राह दिखाएंगे। शनिवार और रविवार की छुट्टी का असर महाकुंभ में साफ देखने को मिल रहा है। हर दिशा से श्रद्धालु संगम की ओर बढ़ रहे हैं। रेलवे स्टेशनों, बस स्टॉप और हाइवे पर श्रद्धालुओं का सैलाब देखा जा सकता है। पिछले दो दिनों (शुक्रवार और शनिवार) में ही सवा करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में स्नान किया है।

हमारे पूर्वजों की इच्छानुसार पूरे देश में लागू होना चाहिए समान नागरिक संहिता : सुकांत मजूमदार

कोलकाता। समान नागरिक संहिता को लेकर भाजपा सांसद और पश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बात की। उन्होंने कहा, देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए, जैसा कि हमारे पूर्वजों ने सपना देखा था। हमारे संविधान में इसके बारे में लिखा है कि यह देश लोगों में पंथ, जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता है। हालांकि, अभी देश में यूसीसी लागू नहीं है, लेकिन सोमवार को उत्तराखंड इतिहास रचने वाला है। दरअसल, उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है जहां यूसीसी लागू किया जाएगा। सोमवार से देवभूमि में यूसीसी लागू किया जाएगा। इस लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पोस्ट में लिखा, संविधान निर्माताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप राज्य में समानता, न्याय और एकता को सुनिश्चित करने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इसी प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करते हुए हम प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में राज्य के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार और अवसर प्रदान करने के लिए समान नागरिक संहिता कानून लागू करने जा रहे हैं। समान नागरिक संहिता न केवल पूरे राज्य में लागू होगी, बल्कि यह राज्य से बाहर रहने वाले उत्तराखंड के लोगों पर भी लागू होगी।

गुरग्राम में मानेसर पुलिस ने तीन बांग्लादेशियों को पकड़ा

गुरुग्राम । गुरग्राम के मानेसर थाना पुलिस ने तीन बांग्लादेशियों को पकड़ा है। उनके पास से बंगाल के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। पूछताछ में पता चला कि इन्होंने 8000 रुपये में फर्जी आधार कार्ड बनवाए थे। तीनों भाई-बहन हैं। डेढ़ साल पहले भारत आए थे यह पहले महाराष्ट्र में रहे। डेढ़ माह पहले ही यह गुरुग्राम आए और मानेसर में एक किराए के मकान में रह रहे थे। यहां पर एक युवती स्पा में काम कर रही थी। मानेसर चौराहे पर घूमते हुए युवती की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने युवती को पकड़कर पूछताछ की तब जाकर युवती की पहचान उजागर हुई। उसके बाद उसकी एक बहन और भाई को भी पुलिस ने पकड़ा लिया। तीनों से पूछताछ चल रही है। इसकी जानकारी जिला प्रशासन और गृह मंत्रालय को भी भेजी गई है।

देर रात मकान में हुआ जोरदार ब्लास्ट, एक महिला की मौत

गिरिडीह (ईएमएस)। झारखंड के गिरिडीह के शीतलपुर में एक मकान में हुए जोरदार ब्लास्ट में एक महिला की मौत हुई है। जबकि परिवार के छह अन्य सदस्य बुरी तरह झुलस गए हैं। ब्लास्ट कैसे हुआ, इसका अभी पता नहीं चला है। जिला पुलिस के अधिकारी फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। बताया गया कि शीतलपुर निवासी उमेश दास के घर में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब दो बजे ब्लास्ट हुआ। यह ब्लास्ट इतना जोरदार था कि मकान की दीवार और छत क्षतिग्रस्त हो गई। ब्लास्ट की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद मकान के अंदर गंभीर रूप से झुलसे लोगों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इसमें से एक बेदांती देवी ने हॉस्पिटल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। घायल हुए लोगों में उमेश दास, उनकी पत्नी सबिता देवी, पुत्र संदीप दास, सन्नी दास, बेटी लक्ष्मी और उमेश दास के ससुर शामिल हैं। इन सभी को प्रारंभिक उपचार के लिए गिरिडीह सदर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति को देखकर सभी को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि दास के मकान को किसी ने रंजिश की वजह से विस्फोटक लगाकर उड़ाया, जबकि कुछ लोग गैस सिलेंडर फटने की आशंका जता रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और कई दलों के नेता भी पहुंचे हैं।

महिला की हत्या कर शव को सूटकेस सहित जलाया, गाड़ी नंबर से आरोपी तक पहुंची पुलिस

नई दिल्ली। गाजीपुर में एक महिला का जला हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया। महिला को एक सूटकेस के अंदर रखकर जला दिया गया था। जांच में पुलिस को मालूम हुआ कि महिला की गला दबाकर हत्या कर लाश को ठिकाने लगाने के लिए शव को जला दिया गया था। सीसीटीवी में रिकॉर्ड गाड़ी नंबर के जरिए पुलिस आरोपी के पास पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी अमित तिवारी को उसके एक साथी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 25 जनवरी को आरोपी ने महिला को खोड़ा कालोनी के घर में गला दबाकर मार डाला था। इसके बाद महिला की लाश को ठिकाने लगाने के लिए महिला के एक सूटकेस में डाला और फिर गाजीपुर में ले जाकर सूटकेस सहित आग लगा दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि अमित का साथी उसके साथ ही खोड़ा कॉलोनी में रहता था। बता दें कि हत्या के बाद लाश को छुपाने के लिए सूटकेस का प्रयोग करने का ये कोई पहला मामला नहीं है, इसके पहले भी इसतरह के कई मामले सामने आए हैं। बीते साल अगस्त में मुंबई से ऐसा ही मामला प्रकाश में आया था। दो मूक-बधिर (डीफ एंड डम्ब) दोस्तों ने मिलकर अपने तीसरे साथी की हत्या कर दी थी। मृतक भी मूक-बधिर था। मामले का खुलासा तब हुआ, जब हत्या को अंजाम देने के बाद एक आरोपी को आरपीएफ ने शक के आधार पर गिरफ्तार किया।

कश्मीर में ठंड और बर्फबारी का कहर जारी....1 से 5 फरवरी तक हल्की बारिश का अनुमान

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में शीतलहर अपने चरम पर है, जहां कई क्षेत्रों में तापमान शून्य से काफी नीचे पहुंच गयास है। जोजिला पास ने माइनस 24.0एडिग्री तापमान के साथ ठंड के मौसम में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में तापमान में गिरावट जारी है क्योंकि घाटी, जम्मू क्षेत्र और लद्दाख में पारा और गिर रहा है, जबकि श्रीनगर में तापमान शून्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। जहां मौसम विभाग ने 29 जनवरी तक शुष्क मौसम रहने की संभावना जाहिर की है। इसके बाद 29 जनवरी की रात और 30 जनवरी की सुबह हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। वहीं 31 जनवरी को कुछ स्थानों पर बर्फबारी का अनुमान जताया गया है। इसके बाद 1-5 फरवरी को बादल छाने और बीच-बीच में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि न्यूनतम तापमान में 2-4एड्रिगी की वृद्धि होने की संभावना है।

दो किशोरों के हाथ पैर बांधे गला बार-बार रेता, ये जघन्य हत्या क्यों हुई पुलिस को नहीं पता

गोरखपुर(ईएमएस)। दो दलित किशोरों के हाथ पैर बांधे, गला कई बार रेता और हत्या कर दी। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी तो दूर पुलिस अभी तक ये पता नहीं कर पाई कि आखिर इस हत्या के पीछे की वजह क्या है। पीएम रिपोर्ट से पता चला है शव मिलने से एक दिन पहले यानी गुरुवार की शाम को ही हत्या हुई है। वहीं हैवानियत की पुष्टि पीएम रिपोर्ट में नहीं हुई पर जांच के लिए स्वैब प्रिजर्व किया गया है। ऐसे में यह तय है कि उनके साथ जो भी हुआ है वह मौका-ए वारदात पर ही हुआ है। पुलिस को अभी तक की जांच में कोई इलेक्ट्रानिक्स साक्ष्य भी नहीं मिल पाया है। जब किशोर गांव से बाहर जा रहे थे तब उनकी मां से मुलाकात हुई थी ऐसा मां ने बताया है।

फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉलों को रोकने स्वदेशी प्रणाली ने दिखाया असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉलों के खतरे से निपटने के लिए भारतीय सरकार ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फर्जी कॉल रोकने की स्वदेशी प्रणाली ने ऐसी कॉलों की संख्या को प्रतिदिन लगभग 4 लाख तक कम कर दिया है।

इस पहल ने दूरसंचार विभाग

(डीओटी) की आने वाली अंतरराष्ट्रीय स्पूफ कॉल्स के 90 प्रतिशत को ब्लॉक करने में सफलता पाई है।यह प्रणाली न केवल भारतीय नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाने में मदद कर रही है, बल्कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। इन फर्जी कॉलों का इस्तेमाल भारतीय नागरिकों को धोखा देने, साइबर अपराध करने और वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए किया जाता था। ये कॉल अक्सर भारतीय मोबाइल नंबर (+91) प्रदर्शित करती थीं, लेकिन असल में ये कॉल विदेश से की जाती थीं। कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी में हेरफेर के जरिए यह भ्रम पैदा किया जाता था। सरकार ने इस खतरे को रोकने के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से कहा गया है कि वे भारत के बाहर से आने वाली सभी कॉलों पर अंतरराष्ट्रीय कॉल का टैग लगाएं। इससे नागरिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि ऐसी कॉल किसी सरकारी संगठन से नहीं हो सकती। प्रमुख सेवा प्रदाता एयरटेल और बीएसएनएल सहित अन्य ने 20 से अधिक विदेशी वाहकों और एग्रीगेटर्स को ब्लॉक कर दिया है, जो फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सौंप रहे थे।

इसके अतिरिक्त, हाल ही में लॉन्च किए गए संचार साथी ऐप ने धोखाधड़ी वाली कॉल की पहचान और रिपोर्ट करना आसान बना दिया है। इस ऐप के जरिए नागरिक अपने कॉल लॉग से सीधे संदिग्ध कॉलों की रिपोर्ट कर सकते हैं। सरकार की इस पहल के बाद विदेशी धोखेबाजों ने स्पूफिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय नंबरों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इसे रोकने के लिए, दूरसंचार मंत्रालय लगातार निगरानी कर रहा है और नए कदम उठा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इस नई प्रणाली को लागू कर लिया है, और बाकी भी इसे जल्द ही लागू करेंगे।

केजरीवाल और आतिशी का गंभीर आरोप, हरियाणा से यमुना में जहरीला पानी छोड़ रही भाजपा सरकार

हार के डर से भाजपा दिल्ली वालों को प्यासा मारना चाहती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जल संकट ने आम आदमी पार्टी (आप) की चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा है कि यमुना में अमोनिया की मात्रा बढ़ने की वजह से 30 फीसदी लोगों को पानी नहीं मिलेगा। उन्होंने इसके लिए हरियाणा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दोष मढ़ा है। चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश बताकर आतिशी ने कहा है कि उन्होंने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखी है और मिलने का समय भी मांगा है। आप के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा वाले यमुना में जहर मिलाकर भेज रहे हैं।

वहीं आतिशी ने आरोप लगाया कि हरियाणा की ओर से यमुना में अत्यधिक अमोनिया वाला पानी छोड़ा जा रहा है। इसकारण दिल्ली के 3 बड़े वाटर ट्रीटमेंट प्लांट वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला प्लांट बंद होने की कगार पर है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इसकी वजह से दिल्ली के 30 फीसदी लोगों को पानी नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि हरियाणा की ओर से यमुना में अत्यधिक अमोनिया वाला पानी छोड़ा जा रहा है। इसकी वजह से दिल्ली के 3 बड़े वाटर ट्रीटमेंट प्लांट वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला प्लांट बंद होने की कगार पर है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इसकी वजह से दिल्ली के 30 फीसदी लोगों को पानी नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने लिखा, चुनाव में हार के डर से भाजपा दिल्ली वालों को प्यासा मारना चाहती है। भाजपा अपनी हरियाणा सरकार से यमुना नदी में जहरीला पानी छुड़वा रही है। पानी में इतना अमोनिया है कि दिल्ली के 3 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद होने की कगार पर हैं। दिल्ली के 30 प्रतिशत लोगों को पानी नहीं

मिलेगा। हिंदू धर्म में पानी रोकने से बड़ा कोई पाप नहीं होता।

आतिशी ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी यमुना में छोड़ना शुरू कर दिया है। पिछले 10 दिनों से भाजपा सरकार अमोनिया वाला प्रदूषित पानी यमुना में छोड़ रही है। प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया है कि दिल्ली के तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद होने के कगार पर हैं। यमुना में यमुना का स्तर लगातार बढ़ रहा है और 7.2 मिलीग्राम तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह जहरीला पानी है जो हरियाणा सरकार छोड़ रही है।

दिल्ली के पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया में लिखा कि लोगों को प्यासा मारने से बड़ा पाप नहीं होता। अपनी गंदी राजनीति के लिए बीजेपी दिल्ली वालों को प्यासा मारना चाहती है। केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा से बीजेपी वाले पानी में जहर मिलाकर दिल्ली भेज रहे हैं। अगर ये पानी दिल्लीवालों ने पी लिया, तब कई लोग मर जाएंगे। क्या इससे घिनौना काम कोई हो सकता है? जो जहर पानी में मिलाकर भेजा जा रहा है, वहां वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में साफ भी नहीं हो सकता।

विहिप महाकुंभ में करा रहा बौद्ध सम्मेलन... क्या है भाजपा और संघ की सोची समझी रणनीति

-10 फरवरी से तीन दिवसीय सम्मेलन में बौद्ध भंते और लामा बुलाए गए

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में लगे महाकुंभ में विश्व हिंदू परिषद की ओर से भी शिविर का आयोजन हो रहा है। हर महाकुंभ में विहिप की ओर से धर्म संसद का आयोजन होता है और हिंदू समाज में सकारात्मक परिवर्तनों के लिए प्रस्तावों पर चर्चा की जाती है। लेकिन इस बार का महाकुंभ खास है, क्योंकि पहली बार विश्व हिंदू परिषद ने बौद्ध सम्मेलन करने का फैसला किया है। अब तक हिंदू सम्मेलनों का आयोजन ही वीएचपी करती रही है, लेकिन पहली बार बौद्ध सम्मेलन होने वाला है। महाकुंभ में 10 फरवरी से तीन दिन का सम्मेलन आयोजित होना है, इसमें बौद्ध भंते और लामा बुलाए गए हैं। ये भंते भारत के अलग-अलग राज्यों के अलावा रूस, अमेरिका, कंबोडिया, म्यांमार सहित कई देशों से आएंगे। विहिप के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि कुंभ आध्यात्मिक एकत्रीकरण का स्थान है। उन्होंने कहा कि शैव, जैन, सिख, बौद्ध सहित कई परंपराओं का जन्म भारत में ही हुआ। आपस में अलग-अलग विचारों के संतों का मिलना सामान्य प्रक्रिया है। इस आगे बढ़कर विहिप ने

बौद्ध संत सम्मेलन का आयोजन किया है। अपनी स्थापना के दौर से ही विश्व हिंदू परिषद ने हिंदू सम्मेलन के आयोजन लगातार किए हैं, लेकिन पहली बार है, जब बौद्धों को जुटाया जा रहा है। वीएचपी संघ का आनुषांगिक संगठन है और भाजपा भी संघ परिवार का ही एक राजनीतिक हिस्सा है। इसके बाद वीएचपी के सम्मेलन को संघ और भाजपा की कोशिशों से जोड़कर देखा जा रहा है।

दरअसल देश में दलित समाज का एक बड़ा वर्ग है, जो कि बौद्ध मत की परंपराओं को मानता है। इसके अलावा जिन लोगों ने बौद्ध परंपराओं को अपनाया नहीं है, उनमें भी उससे सहानुभूति रखने वालों की बड़ी संख्या है। पिछड़े समाज के भी तमाम लोग बौद्ध पंथ की परंपराओं को स्वीकार करते हैं और महात्मा बुद्ध में आस्था रखते हैं। इसके बाद भाजपा और आरएसएस की रणनीति है कि यदि इस वर्ग को साध लें तब चुनावी लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा सामाजिक रूप से हिंदुओं के साथ बौद्धों को जोड़ने में भी मदद मिलेगी। हाल में ही महाराष्ट्र के चुनाव में भाजपा ने इस पर खास फोकस किया था। यहां तक कि बौद्ध समाज से आने वाले रिजिजू को वहां जिम्मेदारी दी गई थी कि वे बौद्धों को जोड़ें।

1966 में कुंभ में ही हुई थी विश्व हिंदू परिषद की स्थापना

विश्व हिंदू परिषद ने 1966 में अपनी स्थापना के दौरान ही कुंभ में पहला हिंदू सम्मेलन किया था। तब वीएचपी का सम्मेलन आयोजित कराने में आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक श्री माधव सदाशिव राव गोलवलकर यानी गुरुजी की अहम भूमिका रही थी। तब से अब तक हर बार कुंभ में हिंदू सम्मेलन और धर्म संसद के आयोजन होते रहे हैं। लेकिन इस बार बौद्ध सम्मेलन हो रहा है और यह संगठन की नीति में बदलाव का संकेत है।

बीजेपी नेता जायसवाल ने लालू को फादर ऑफ क्राइम बताया, बिहार में सियासत हुई तेज

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत अपराध के सवाल पर गर्म हो गई है। जहां राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव अपराध को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने लालू को फादर ऑफ क्राइम बता दिया है। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने भाजपा नेता जायसवाल के बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सच कड़वा जरूर होता है। पटना हाई कोर्ट ने भी टिप्पणी करते हुए लालू-राबड़ी राज को जंगलराज करार दिया। हम तब आतंक राज कहते हैं। बिहार में अपराध के क्षेत्र में अति विशिष्ट योगदान और क्लेश के इतिहास को लिखा जाएगा तब लालू का नाम शीर्ष पर होगा। वहीं इसके बाद अब राजद सहित पूरा विपक्ष भाजपा को घेरने में जुटा हुआ है।

कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने जायसवाल पर पलटवार कर कहा कि जायसवाल का अपने बारे में क्या ख्याल है ? सभी को पता है कि जायसवाल आज जिस मेडिकल

कॉलेज के मालिक बने हुए हैं, वह मेडिकल कॉलेज उन्हें कैसे मिला। बेईमानी, चोरी, अपराध या दादागिरी से मिला। जायसवाल जी, 20 साल से आपकी पार्टी बिहार में सत्ता में है और हर दिन पटना जैसे शहरों में मर्डर होता है। इसका जिम्मेदार कौन है बीजेपी या नीतीश कुमार ?

वहीं राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने जायसवाल पर पलटवार कर कहा कि सत्ता पद पर बैठे हुए लोग कहीं ना कहीं अपराध और अपराधियों को श्रेय दे रहे हैं। जेडीयू और बीजेपी के नेता बताएं कि आप लोग कहा करते थे ना किसी को फंसाते हैं, ना किसी को बचाते हैं। वहीं अब स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि आप बचाते भी हैं और फंसाते भी हैं। पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी के भाई के मामले में आप अपने आप में झांक लिए होते तब ऐसी भाषा नहीं बोलते। बिहार में क्राइम, करप्शन एंड कम्युनलिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ब्रह्मोस को लेकर उत्साहित है इंडोनेशिया, भारत की एयरक्राफ्ट बनाने की क्षमताओं में दिखाई रुचि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो एयरक्राफ्ट बनाने की क्षमता रखते हैं। इंडोनेशियाई सेना ने भारत की एयरक्राफ्ट बनाने की क्षमताओं में गहरी रुचि दिखाई है। इसमें भी खासतौर पर ब्रह्मोस को लेकर काफी ज्यादा इंट्रेस्ट है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने रविवार को इस बारे में बताया। हाल ही में हुई एक बैठक के दौरान जकार्ता से आए वरिष्ठ अधिकारियों ने भारतीय रक्षा अधिकारियों से यह बात कही।

हालांकि इंडोनेशिया से संभावित मिसाइल डील के लिए रूस की सहमति की जरूरत होगी। रक्षा मंत्रालय के सूत्र ने यह जानकारी दी। भारत अभी तक फिलिपीन्स को ब्रह्मोस मिसाइल बेचता है। कुछ साल पहले फिलीपीन्स से 335 मिलियन डॉलर का ऑर्डर आया था। वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया और मध्य पूर्व के देशों सहित कई देशों ने भारत-रूस संयुक्त मिसाइल प्रणाली में रुचि दिखाई है। इस मिसाइल के कई सिस्टम रूस से आते हैं।गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण और मजबूत हैं। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मुख्य अतिथि के रूप में रविवार को नई दिल्ली में भव्य गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया।

भारतीय अधिकारी अब शिप बनाने के क्षेत्र में जकार्ता के साथ सहयोग बढ़ा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पड़ोसी देश ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल डील को लेकर भी बातचीत कर रहे हैं। इंडोनेशिया की टीम इसको लेकर जल्द ही भारत का दौरा कर सकती है।सूत्रों ने बताया कि मेजर जनरल यूनिआंतो के नेतृत्व में एक इंडोनेशियाई दल ब्रह्मोस एयरोस्पेस पहुंचा था। यहां पर सैन्य सहयोग और मिसाइल क्षमताओं को लेकर बातचीत हुई थी। वैसे तो इस बातचीत को दो साल हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इसके बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप होते तो रूस–यूक्रेन युद्ध नहीं होता, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हुई थी धांधली : पुतिन

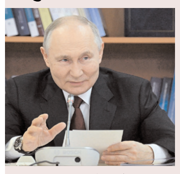

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को धांधली कर हराया गया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि यदि 2020 में डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति होते तो 2022 में रूस–यूक्रेन के बीच युद्ध की स्थिति नहीं बनती। पुतिन ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार में कहा, मैं उनसे सहमत हूं कि अगर वह राष्ट्रपति होते, अगर 2020 में उनकी जीत चुराई नहीं जाती तो शायद 2022 में जो यूक्रेन में जो संकट हुआ, वह नहीं होता। आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भी लगातार यह दावा किया है कि 2020 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव चुराया और धांधली किया गया था, जिसमें रिपब्लिकन पार्टी हार गई थी। रूसी राष्ट्रपति ने डोनाल्ड ट्रंप को शुक्रवार को स्मार्ट और व्यावहारिक बताते हुए उनकी वैश्विक मुद्दों को संभालने की क्षमता की सराहना की। पुतिन ने कहा, मुझे यह कल्पना करने में कठिनाई होती है कि ऐसे निर्णय लिए जाएंगे जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक हों। उन्होंने आगे कहा कि तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव रूस और अमेरिका दोनों के लिए नुकसानकारी हो सकते हैं। पुतिन ने कहा, ट्रंप न केवल स्मार्ट व्यक्ति हैं, बल्कि व्यावहारिक भी हैं। पुतिन का यह बयान तब आया जब ट्रंप ने 23 जनवरी को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कहा था कि तेल की कीमतों में कमी रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त कर सकती है। हालांकि, ट्रंप के इस सुझाव के बावजूद क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस विचार को खारिज कर दिया। पेसकोव ने कहा, संघर्ष इस कारण जारी है क्योंकि रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है, उन क्षेत्रों में रह रहे रूसियों के लिए खतरा है और अमेरिकी तथा यूरोपीय देशों द्वारा रूस की सुरक्षा चिंताओं को न सुनने के कारण यह संघर्ष जारी है।

पाकिस्तान की जेल में भारतीय मछुआरे की मौत : सजा पूरी करने के बाद भी नहीं रिहा किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय मछुआरे बाबू की गुरुवार को मौत हो गई। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक बाबू को 2022 में पाकिस्तानी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। बाबू की सजा पूरी होने के बावजूद पाकिस्तानी अधिकारियों ने उसे रिहा नहीं किया। पिछले 2 सालों में 8 भारतीय मछुआरों की पाकिस्तान में मौत हो चुकी है। अपनी सजा पूरी कर चुके 180 भारतीय मछुआरे पाकिस्तानी जेल से रिहाई का इंतजार कर रहे हैं। भारत लगातार पाकिस्तान के साथ कैदियों की जल्द रिहाई का मुद्दा उठाता रहा है। कॉन्सुलर एक्सेस 2008 पर समझौते की धारा 5 के मुताबिक, दोनों देशों की सरकारों को राष्ट्रीय स्थिति की पुष्टि और सजा पूरी होने के एक महीने के अंदर कैदियों को रिहा करके उनके देश वापस भेजना होता है। लेकिन पाकिस्तान ने कई बार यह समझौता तोड़ा है। अक्टूबर में भी पाकिस्तान की जेल में भारतीय मछुआरे की मौत हुई थी इससे पहले 25 अक्टूबर 2024 को भारतीय मछुआरे हरिभाई सोसा (31 साल) की पाकिस्तान जेल में मौत हो गई थी। मौत की वजह हार्ट अटैक बताई गई। वह गुजरात के पोरबंदर का रहने वाला था। पाकिस्तान ने एक महीने बाद नवंबर में हरिभाई का शव भारत को सौंपा था। हरिभाई सोसा को 2021 की शुरुआत में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अरब सागर में मछली पकड़ने के दौरान अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा के पास पकड़ा था। इसके बाद उन्हें तीन साल से अधिक समय तक कराची में कैद रखा गया था। हरिभाई की सजा पूरी होने के बाद भी पाक अधिकारियों ने उन्हें भारत को नहीं सौंपा था।

मास चार इजराइली बंधक रिहा करेगा, नाम जारी : 5 दिन पहले 3 बंधक छोड़े थे

तेल अवीव/ रामल्ला, एजेंसी। हमास आज इजराइल की चार बंधकों को रिहा करेगा। सभी के नाम जारी कर दिए हैं। जिन बंधकों को रिहा किया जाएगा, वे सभी महिलाएं हैं। उनके नाम कैरिना अरीव नामा लेवीस लिरि अलबाग और डेनियला गिलबोआ है। इसके बदले में इजराइल करीब 50 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इससे पहले रविवार को सीजफायर के पहले दिन इजराइल ने 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया था। वहीं, हमास ने इजराइल की 3 महिला बंधकों को रिहा किया था। इनके नाम रोमी गोनेन, एमिली दामारी और डोरोन स्टीनब्रेचर थे। इस बीच गाजा में बंधक बनाए गए लोगों के रिश्तेदारों ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से सभी शेष बंधकों की रिहाई करने की अपील की है। इजराइल करीब 700 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा सीजफायर डील 3 फेज में पूरी होगी। पहले फेज में हमास इजराइल से किडनैप किए गए 33 बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल के न्याय मंत्रालय ने भी 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें पहले फेज में रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं। इजराइल 700 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इस लिस्ट में शामिल कई लोग हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, जिनमें हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के सदस्य भी शामिल हैं।

इजरायली सेना 60 दिन पूरे होने के बाद भी लेबनान में रहेगी – पीएमओ

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसकी सेना युद्धविराम समझौते के 60 दिन के भीतर दक्षिणी लेबनान से पूरी तरह वापसी नहीं करेगी। देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि इजरायल 26 जनवरी को यह अवधि समाप्त होने के बाद भी वहां अपनी सेना रखेगा। बताया जा रहा है कि यह निर्णय 27 नवंबर 2024 को हुए संघर्ष विराम समझौते के बाद लिया गया है, जिसमें कहा गया था कि इजरायल को 60 दिन के भीतर अपनी सेना को लेबनान से पूरी तरह से वापस ले लेना चाहिए। यह समय सीमा रविवार को समाप्त हो रही है।

हालांकि, नेतन्याहू के कार्यालय ने स्पष्ट किया कि इजरायल यह समय सीमा को नहीं मानेगा क्योंकि लेबनानी सेना ने अभी तक दक्षिणी लेबनान पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं स्थापित किया है और हिजबुल्लाह ने लिटानी नदी के उत्तर से अपनी सेनाओं को पूरी तरह से पीछे नहीं हटाया है।

नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा, लेबनानी सरकार ने संघर्ष विराम समझौते को पूरी तरह से लागू नहीं किया है, इसलिए इजरायली सैनिकों की वापसी चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगी। इसमें यह भी कहा गया है कि इजरायल की वापसी लेबनानी सेना की तैनाती और समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी, जिसमें हिजबुल्लाह का लिटानी नदी से पीछे हटना भी शामिल है।

यह फैसला अमेरिका के साथ समन्वय में लिया गया है, और यह संकेत करता है कि इजरायल की सेनाओं की वापसी का काम धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक किया जाएगा। दक्षिणी इजरायल पर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा हमले और उसके बाद गाजा में इजरायल की जवाबी कार्रवाई के बाद, इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच सीमा पार से गोलीबारी में बढ़ गई थी। इसके बाद, अक्टूबर 2024 में इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में जमीनी आक्रमण किया।

इस बीच, कुवैत के विदेश मंत्री और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के प्रमुख ने शुक्रवार को लेबनान का दौरा किया और युद्ध से तबाह हुए देश के खाड़ी देशों के साथ संबंधों को बहाल करने के प्रयासों के तहत समर्थन का वादा किया। कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने बेरूत में लेबनान के राष्ट्रपति मिशेल औन से मुलाकात की और कुवैत की ओर से लेबनान की मदद करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। लेबनानी राष्ट्रपति मिशेल औन ने कुवैत और जीसीसी से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका देश अपने खाड़ी पड़ोसियों के साथ रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह यात्रा सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद की ऐतिहासिक यात्रा के बाद हुई है, जो 15 वर्षों में पहली बार हुई थी।

डेनमार्क में चीन की दमनकारी नीतियों का विरोध, मानवाधिकारों की रक्षा के लिए दोहराई गई प्रतिबद्धता

कोपेनहेगन, एजेंसी। निर्वासित तिब्बती संसद के एक प्रतिनिधिमंडल ने डेनमार्क में अपनी यात्रा की शुरुआत डेनिश संसद में एक बैठक के साथ की। बैठक में केंद्रीय तिब्बती प्रशासन ने चीन की दमनकारी नीतियों का विरोध करने का आह्वान किया। प्रतिनिधिमंडल का अटलांटिक के विदेश मामलों के प्रवक्ता और विदेश मामलों की समिति के सदस्य साशा फैक्से ने गर्मजोशी से स्वागत किया। साशा फैक्से ने मानवाधिकारों की रक्षा व चीन के बढ़ते प्रभाव का विरोध करने की प्रतिबद्धता दोहराई। फैक्से द्वारा डेनमार्क की लोकतांत्रिक परंपराओं पर प्रकाश डालने के जवाब में, नामग्याल डोलकर लहाग्यारी ने तिब्बत में चीन की नीतियों के गंभीर प्रभाव पर एक गहन प्रस्तुति दी। उन्होंने तिब्बती बच्चों को बोर्डिंग स्कूलों में जबरन भेजकर स्थानीय भाषा, संस्कृति व पहचान मिटाने के व्यवस्थित चीनी प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने चीन द्वारा बड़े बांधों के निर्माण और तिब्बत के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण होने वाले पर्यावरणीय विनाश के बारे में भी चिंता जताई। प्रतिनिधिमंडल ने डेनिश संसद से तिब्बत के लिए अपने नैतिक समर्थन को ठोस कार्यों में बदलने का आह्वान किया व तिब्बत के लिए मजबूत वैश्विक समर्थन का आग्रह किया। डेनमार्क में विदेश मामलों की समिति के सदस्य साशा फैक्से ने कहा, तिब्बती निर्वासित समुदाय का लोकतंत्र को बढ़ावा देना दुनिया के लिए एक शक्तिशाली उदाहरण है। तिब्बती प्रतिनिधिमंडल ने डेनिश इंस्टीट्यूट ऑफ पार्टीज एंड डेमोक्रेसी के निदेशक मैथियास पार्सबेक और वरिष्ठ सलाहकार मार्लीन क्रॉयडन हरित्सो के साथ भी चर्चा की। इस दौरान वैश्विक मंच पर तिब्बत के लोकतांत्रिक मॉडल उजागर करने के अवसरों पर चर्चा की गई। बैठक का मकसद तिब्बत पर अंतरराष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाना था।

ट्रंप की टीम में शामिल हुए दो भारतवंशी, रिकी गिल और सौरभ शर्मा को दी गई अहम जिम्मेदारी

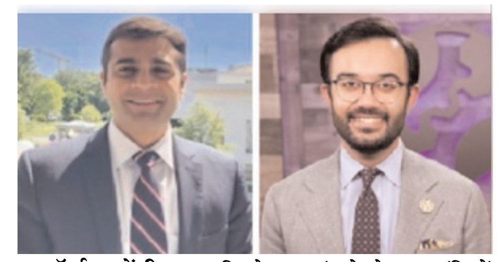

न्यूयॉर्क, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो भारतवंशियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और कार्मिक मामलों से निपटने के लिए अपना विशेष सहायक नियुक्त किया है। रिकी गिल राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के वरिष्ठ निदेशक के रूप में भारत के साथ विशेष रूप से काम करेंगे। सौरभ शर्मा राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय में काम करेंगे। गिल ने पहले ट्रंप प्रशासन में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रूस और यूरोपीय ऊर्जा सुरक्षा के निदेशक के रूप में और विदेश विभाग में ब्यूरो ऑफ ओवरसीज बिल्डिंग ऑपरेशन्स में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम किया था। एनएससी छोड़ने के बाद, उन्होंने गिल कैपिटल ग्रुप को इसके प्रमुख और सामान्य वकील के रूप में चलाया। वे टीसी एनर्जी में यूरोपीय और एशियाई ऊर्जा के सलाहकार भी थे, जो कीस्टोन एक्सएल पाइपलाइन का मालिक है जो कनाडा से अमेरिका तक तेल पहुंचाती है। ट्रंप द्वारा स्वीकृत परियोजना के एक हिस्से पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रतिबंध लगा दिया था। उनके पिता का नाम जसबीर और माता का नाम परम गिल है। उनका जन्म लोदी, न्यू जर्सी में हुआ था। गिल के पास प्रिंसटन विश्वविद्यालय में वुडरो विल्सन स्कूल ऑफ पब्लिक एंड इंटरनेशनल अफेयर्स से स्नातक की डिग्री और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से कानून की डिग्री है। उन्होंने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में अपनी नियुक्ति की पुष्टि की, जिसे पोलिटिको ने रिपोर्ट किया था। वहीं, बेंगलुरु में जन्मे शर्मा वाशिंगटन स्थित अमेरिकन मोमेंट के सह-संस्थापक और अध्यक्ष थे, जो एक रूढ़िवादी संगठन है। संगठन का कहना है कि इसका मिशन युवा अमेरिकियों की पहचान करना, उन्हें शिक्षित करना और उन्हें मान्यता देना है।

350 किमी की स्पीड से दौड़ेगी हाई स्पीड ट्रेन, 30 मिनट में अबू धाबी से पहुंच जाएगी दुबई

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात ने अबू धाबी और दुबई को जोड़ने वाली एक नई हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना की घोषणा की है. यह नई रेल परियोजना स्मार्ट ट्रांसपोर्ट में ग्लोबल लीडर के रूप में यूएई की स्थिति को मजबूत करेगी. अबू धाबी से दुबई हाई-स्पीड (बुलेट) ट्रेन परियोजना मध्य पूर्व में परिवहन बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाएगी. अबू धाबी से दुबई हाई स्पीड ट्रेन परियोजना केवल 30 मिनट में 100 किमी से अधिक की दूरी तय करेगी, जिसकी गति 350 किमी प्रति घंटे तक होगी. यह नई रेल परियोजना प्रमुख रणनीतिक स्थलों और पर्यटक आकर्षणों से होकर गुजरेगी, जिससे यात्रियों और आगंतुकों के लिए निर्बाध यात्रा सुनिश्चित होगी. अबू धाबी से दुबई हाई स्पीड ट्रेन सेवा से अगले 50 साल यूएई के जीडीपी में 145 बिलियन अरब अमीरात दरहम (श्वष्ठ) का योगदान होने की उम्मीद है. इस नई हाई स्पीड रेल परियोजना को आने वाले सालों में अगले फेज में विकसित किया जाएगा, जिससे इसके पूरा होने का मार्ग प्रशस्त होगा. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस संबंध में दुबई सरकार ने एक बयान में कहा, हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना का विकास परियोजना कॉन्ट्रेक्ट के लिए टेंडर जारी करने और नेटवर्क डिजाइनों की स्वीकृति के साथ आगे बढ़ा है।

ऑनर किलिंग के मामलों में वृद्धि, तीन दिन में 8 लोगों को उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद/सिंध, एजेंसी। पाकिस्तान में हालात बेहद खराब हैं. यहां कुछ दिनों से ऑनर किलिंग के मामले सामने आए हैं. यहां सिंध के करीब चार जिले में तीन दिनों के भीतर पांच महिलाओं सहित आठ लोगों की हत्या का खबर मिली है. जियो न्यूज के हवाले से इस खबर का पता चला है. जानकारी के मुताबिक ऑनर किलिंग के एक आरोपी भोरल चाचर ने अपनी बहू रजिया और उसके प्रेमी को गोलियों से भून दिया. उसके बाद उसने पुलिस के सामने अपराध कबूल करते हुए आत्मसमर्पण कर दिया. उसने बयान दिया कि उसने अपनी बहू को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा, जिससे वह आगबबूला हो गया और दोनों को मौत के घाट उतार दिया. एआरवाई न्यूज ने इस खबर की पुष्टि की है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई करने में जुट गई है. वहीं, दूसरी घटना लरकाना के बुंगुल डेरो गांव में हुई. जहां एक शख्स ने पहले रियाज ब्रोही नाम के शख्स को गोली मार दी और फिर उसके बाद उसकी पत्नी को भी मौत की नींद सुला दी. मौका पाकर आरोपी घटनास्थल से भाग गया. पुलिस ने बताया कि मृतक रियाज कुछ दिन पहले ही दुबई से वापस लौटा था. वहीं, आरोपी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है. इन हत्याओं के पीछे की वजह घर से भागकर शादी करना, विवाहेत्तर संबंध हैं. इसके अलावा, जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कंबर-शाहदादकोट जिले में कुब्बो सईदखान के पास ताज मुहम्मद चंदियो गांव में सुल्तान चंदियो नाम के एक व्यक्ति ने अपनी भाभी रुखसाना चंदियो और उसके कथित प्रेमी बखत जनवारी को गोली मारकर भाग गया. इसी तरह शिकारपुर के हुमायूं थाने के पास पीर जलील में आरोपी जमीर मारफानी ने अपनी पत्नी खानजादी की गोली मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया. इसके अलावा देह-13, संजोरो में एक संदिग्ध मुहम्मद उमर बुग्गती ने अपनी पत्नी अजीमा की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर भाग निकला. पुलिस ने इस मामले में एक कथित शूटर और उसके दो भाइयों के एफआईआर दर्ज कर दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है. हर साल पाकिस्तान में रिश्तेदार सैकड़ों महिलाओं की हत्याएं कर रहे हैं. हालांकि, जियो न्यूज़ के अनुसार, सामाजिक रूप से रूढ़िवादी देश के शहरी इलाकों में भी ऐसी हिंसक घटनाएं अब आम हो गई हैं. पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) के अनुसार, 2024 में ऑनर किलिंग एक गंभीर चिंता का विषय बनी, जिसमें सिंध और पंजाब में सबसे ज़्यादा संख्या दर्ज की गई है।

तनावपूर्ण संबंध दुख देता है; भारत के साथ बांग्लादेश के खराब होते रिश्तों पर खुलकर बोले मोहम्मद यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से नई दिल्ली और ढाका के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हुई हिंसा का दुनियाभर में विरोध हुआ। अब बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण स्थिति को लेकर दुख जताया है। भारत के प्रतिद्वंद्वी चीन को इस कठिन समय में बांग्लादेश का दीर्घकालिक मित्र बताते हुए, यूनुस ने कहा कि नई दिल्ली के साथ तनावपूर्ण संबंध मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत दुख पहुंचाते हैं।

यूनुस ने कहा, बांग्लादेश-भारत संबंध यथासंभव मजबूत होने चाहिए। आप जानते हैं, आप बांग्लादेश का नक्शा बनाए बिना भारत का नक्शा नहीं बना सकते। बांग्लादेश की भूमि सीमा लगभग पूरी तरह से भारत के साथ चलती है। इसके साथ ही, यूनुस ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और भारत में रह रहीं शेख हसीना को वापस भेजने की फिर से मांग की है। उन्होंने कहा है कि भारत हसीना को बांग्लादेश वापस भेजे, ताकि वह प्रदर्शनकारियों और उनके विरोधियों के खिलाफ अपराधों और अपने कार्यकाल के दौरान उन पर किए गए अपराधों के लिए मुकदमे का सामना कर सकें। यूनुस, जिन्होंने 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में चुनाव कराने का वादा किया है, ने कहा कि उन्हें चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है। गरीबों के बैंकर के रूप में पहचाने जाने वाले यूनुस और उनके द्वारा स्थापित ग्रामीण बैंक ने ग्रामीण गरीबों को 100 डॉलर से कम के छोटे ऋण देकर लाखों लोगों को गरीबी से उबारने में मदद करने के लिए नोबेल जीता था। शेख हसीना की भतीजी पर भी बरसे थे यूनुस पिछले दिनों मुहम्मद यूनुस ने शेख हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीक और उनके परिवार की संपत्तियों की जांच की मांग की है। यूनुस ने संकेत दिया है कि सिद्दीक ने अपनी मौसी शेख हसीना के बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान अवैध तरीकों से ये संपत्तियां अर्जित की होंगी। टाइम्स अखबार को दिए एक साक्षात्कार में यूनुस ने सिद्दीक और उनके परिवार को उनकी मौसी की अपदस्थ सरकार के सहयोगियों द्वारा उपहार में दी गई संपत्तियों के उपयोग की निंदा की।

यूक्रेन ने पश्चिमी रूस में तेल संयंत्रों और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स संयंत्र पर किया ड्रोन हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी सेना ने शुक्रवार रात पश्चिमी रूस में तेल संयंत्रों और एक माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स संयंत्र पर ड्रोन हमला किया। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने फेसबुक पर इसकी पुष्टि की। फेसबुक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि हमले के कारण रियाजान तेल शोधन कंपनी और रियाजान तेल पम्पिंग स्टेशन के उत्पादन संयंत्रों में आग लग गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ड्रोन हमले यूक्रेन की सुरक्षा सेवा और विशेष अभियान बलों द्वारा अन्य इकाइयों के सहयोग से किए गए।

इससे पहले मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा था कि मास्को की वायु रक्षा प्रणालियां शुक्रवार की सुबह यूक्रेनी ड्रोन हमलों को रोकने में सक्रिय रूप से लगी हुई थीं। सोबयानिन ने लिखा कि ड्रोन हमले मास्को के आसपास के कई स्थानों पर हुए जिनमें राजधानी के दक्षिण-पूर्व में स्थित कोलोम्ना और रामेंस्की शहरी जिले भी शामिल हैं।

प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि घटना स्थल पर कोई महत्वपूर्ण क्षति नहीं हुई है। उन्होंने लिखा कि आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत प्रभावित स्थलों पर भेज दिया गया। पोडोल्स्क शहरी जिले में मास्को की ओर बढ़ते हुए दो अतिरिक्त ड्रोनों को वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा मार गिराया गया।

यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद में दुष्प्रचार निरोधक केन्द्र के प्रमुख आंद्रेई कोवलेंको ने दावा किया था कि यूक्रेन की सेना ने पश्चिमी रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र में स्थित एक रूसी विमानन संयंत्र पर हमला किया था। कोवलेंको ने मंगलवार को कहा कि संयंत्र सैन्य विमानों और विशेष रूप से एसयू-25 हमलावर विमानों के उत्पादन में भाग लेता है। जिसमें विमानन उपकरणों का रखरखाव भी शामिल है।

उन्होंने कहा, यह संयंत्र रूसी रक्षा उद्योग के अन्य उद्यमों से निकटता से जुड़ा हुआ है, जो आधुनिक विमानन प्रणालियों के निर्माण के लिए घटकों की आपूर्ति करता है या सहयोग में भाग लेता है। कोवलेंको ने हमले में इस्तेमाल किये गये साधनों का खुलासा नहीं किया। इसके अलावा, यूक्रेन्स्का प्रावदा मीडिया आउटलेट की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन ने रूस के पश्चिमी वोरोनिश क्षेत्र में एक तेल डिपो पर भी हमला किया है।

नाइजीरियाई सैनिकों ने 79 आतंकवादियों-अपहरणकर्ताओं को मार गिराया, 252 लोगों को किया गिरफ्तार

एबूजा, एजेंसी। नाइजीरियाई सैनिकों पूर्वोत्तर में इस्लामी आतंकवादियों के दशकों पुराने विद्रोह और उत्तर-पश्चिम में विभिन्न सशस्त्र समूहों के हमलों को लक्ष्य करते हुए पिछले सप्ताह में 79 आतंकवादियों और संदिग्ध अपहरणकर्ताओं को मार गिराया। सेना ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि पश्चिमी अफ्रीकी देश को सुरक्षित करने का प्रयास तेजी से किया जा रहा है, क्योंकि पूर्वोत्तर क्षेत्र में अबतक 35,000 नागरिक मारे जा चुके हैं और 20 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं।

सेना के प्रवक्ता ने जारी किया बयान : नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता एडवर्ड बूबा ने एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, नाइजीरिया की सेना की तरफ से चलाए गए अभियान में 252 लोगों को गिरफ्तार किया गया और आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए गए 67 बंधकों को मुक्त कराया गया। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिम में अपहरण आम घटना बन गई है। यहां सशस्त्र समूह गांवों और सड़कों पर हमला करने के लिए क्षेत्र की सीमित सुरक्षा उपस्थिति का फायदा उठाते हैं।कई पीड़ितों को फिरौती के भुगतान के बाद ही रिहा किया जाता है।

कच्चे तेल की चोरी से जुड़े 28 संदिग्ध भी गिरफ्तार : 2014 में पूर्वोत्तर राज्य बोर्नो के चिबोक गांव में बोको हराम चरमपंथियों द्वारा 276 स्कूली छात्राओं का अपहरण और फिर सेना और सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष के साथ नाइजीरिया ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में कच्चे तेल की चोरी से जुड़े 28 संदिग्ध भी शामिल है। पिछले साल नाइजीरिया एक्सट्रैक्टिव इंडस्ट्रीज ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिव ने बताया था कि 2009 और 2020 के बीच कच्चे तेल की चोरी के कारण नाइजीरिया को 46 बिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ था। नाइजीरियाई सेना ने एक स्वतंत्र बियाफ्रा राज्य के निर्माण की मांग करने वाले अलगाववादी समूह, इंडिजिनस पीपल ऑफ बियाफ्रा के सात संदिग्ध सदस्यों को भी गिरफ्तार किया। दक्षिण-पूर्वी नाइजीरिया में 1960 से ही अलगाववादी यह अभियान चला रहा है। बियाफ्रा गणराज्य ने पश्चिम अफ्रीकी देश से स्वतंत्र होने के लिए 1967 से 1970 तक गृह युद्ध लड़ा और हार गया। ऐसा बताया जाता है कि इस संघर्ष में 10 लाख लोग मारे गए, उनमें से कई लोगों की मौत भूख से हुई थी। इसके एक नेता साइमन एकपा को सोशल मीडिया पर हिंसा भड़काने के आरोप में नवंबर में फिनलैंड में गिरफ्तार किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शादी का झांसा देकर किशोरी को गर्भवती बनाया

पियूष रमेश राठौड़ ने किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर 6 महीने की अवधि में शारीरिक संबंध बनाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में 14 वर्षीय किशोरी से शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी पियूष रमेश राठौड़ ने किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर 6 महीने की अवधि में शारीरिक संबंध बनाए।

क्या है मामला?

सचिन के कनकपुर इलाके में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी को पियूष राठौड़ नामक युवक ने शादी करने का वादा दिया। उसकी मासूमियत और भोलेपन का फायदा उठाते हुए पियूष ने किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बनाए।

इस दौरान किशोरी गर्भवती हो गई और उसे दो महीने का गर्भ होने की बात परिवारवालों के ध्यान में आई।

परिवारवालों की शिकायत

घटना की जानकारी मिलते ही किशोरी के परिवार वाले चिंतित हो गए और तुरंत सचिन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पियूष राठौड़ के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कानूनी कार्रवाई

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट (Protection of Children from Se&ual Offences Act) और दुष्कर्म की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

सूरत पुलिस फिलहाल आरोपी पियूष राठौड़ की गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है।

क्राइम ब्रांच ने नशे के कारोबार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने नशे के कारोबार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की है। रांदेर इलाके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से 80.140 ग्राम प्रतिबंधित एमडी ड्रग्स बरामद हुआ है। इस जखीरे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 8,01,400 आंकी गई है।

श्याम मंदिर ने रचा रक्तदान शिविर में इतिहास 2475 यूनिट रक्त का हुआ संग्रहण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम के आठवें पाटोत्सव के उपलक्ष पर आयोजित कार्यक्रम की श्रृंखला में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार, 26 जनवरी को मंदिर प्रांगण पर किया गया। रक्तदान शिविर में श्याम मंदिर ने अपने पुराने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना दिया। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि ब्लड कैम्प की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके की गई एवं ध्वजारोहण किया गया। कैम्प में सूरत के अलावा अहमदाबाद, बारडोली, व्यारा सहित कुल ग्यारह ब्लड बैंक की टीम के सहयोग से कुल 2475 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। शिविर में सभी रक्तदाताओं के स्वास्थ्य की जाँच की गई। ट्रस्ट द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। सभी रक्तदाताओं के लिए ट्रस्ट द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी। ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया कि रक्तदान शिविर में सूरत शहर की धार्मिक, सामाजिक, व्यापारिक प्रतिष्ठान, सोसायटी आदि सहित सौ से ज़्यादा संस्थाएँ सहयोगी बनी। शिविर की सभी व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग कार्यकर्ताओं की समितियाँ बनाई गई एवं सभी व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया गया। इस मौक़े पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश तोदी, कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला सहित अनेकों कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहें।

>> तिरंगा श्रृंगार – ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कपीश खाटुवाला ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मौक़े पर श्याम मंदिर में बाबा श्याम का तिरंगा श्रृंगार किया गया। बाबा के श्रृंगार के दर्शन करने के लिए सुबह से लेकर देर रात तक भक्तों की क़तारें लगी रही।

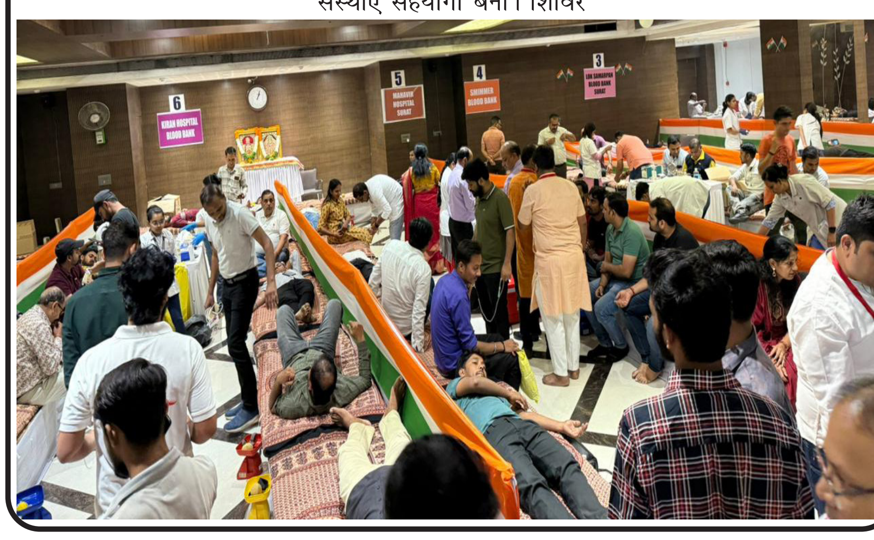

50.46 लाख के फर्जी बिलिंग से टैक्स क्रेडिट में धोखाधड़ी

एक्सिस बैंक के सेल्स एग्जीक्यूटिव ने पोर्टल में छेड़छाड़ कर सरकार को नुकसान पहुंचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एक्सिस बैंक के एक सेल्स एग्जीक्यूटिव पर आरोप है कि उसने 50.46 लाख रुपये के फर्जी बिलिंग के जरिए टैक्स क्रेडिट में धोखाधड़ी की। इस व्यक्ति ने सरकारी पोर्टल में छेड़छाड़ कर नियमों का उल्लंघन किया और सरकार को बड़ा नुकसान पहुंचाया।

आरोपी ने फर्जी दस्तावेज और बिल तैयार कर टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने का प्रयास किया। उसने पोर्टल में गड़बड़ी करते हुए टैक्स रिटर्न और क्रेडिट प्रोसेस में हेरफेर की। सरकारी एजेंसियों ने धोखाधड़ी का पता लगाकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। संबंधित अधिकारी अब यह जांच कर रहे हैं कि इस धोखाधड़ी में और कौन-कौन शामिल हैं और किस प्रकार से सरकार को हुए नुकसान की भरपाई की जा सकती है।

50.46 लाख के टैक्स क्रेडिट का नुकसान हुआ

वीरेश सुंदरलाल जरीवाला नामक शिकायतकर्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि च्परिल टैक्सज्ञ और च्लीला ट्रेडिंगज्ञ फर्म के नाम पर फर्जी और जाली बिल तैयार किए गए थे। इन बिलों को असली दिखाकर शिकायतकर्ता के साथ व्यापार किया गया। इसके अलावा, जीएसटी पोर्टल पर छेड़छाड़ कर वास्तविक बिक्री बिलों में हेरफेर किया गया, जिससे शिकायतकर्ता को 50,46,114.96 रुपये के जीएसटी टैक्स क्रेडिट का नुकसान हुआ।

पोर्टल पर छेड़छाड़ कर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया

इस मामले में मुख्य आरोपियों ने शिकायतकर्ता के साथ व्यापार कर उनके नाम से टैक्स क्रेडिट की राशि भेजी, लेकिन पोर्टल पर छेड़छाड़ कर सरकार को बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंचाया। इस साजिश में किरणभाई बरवासिया के जीएसटी नंबर का दुरुपयोग कर प्रतीकभाई पटेल के नाम पर फर्जी फर्म बनाई गई।

दो फर्जी फर्म बनाकर धोखाधड़ी की गई

आरोपी हार्दिक रमेशभाई गुरिया, जो एक्सिस बैंक में सेल्स एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत था, ने परिल टैक्स और लीला ट्रेडिंग फर्म के जीएसटी नंबरों की बिना पुष्टि किए निर्दोष व्यक्तियों के दस्तावेज जुटाए। इन दस्तावेजों का उपयोग फर्जी फर्म बनाने के लिए किया गया।

फर्म के नाम पर बैंक खाते खुलवाने की साजिश

हार्दिक गुरिया ने गैंग को सहयोग देते हुए फर्जी बैंक खाते खुलवाए, जो फर्म के नाम पर खोले गए थे। ये बैंक खाते निर्दोष व्यक्तियों के नाम पर खोले गए, जिनके मोबाइल नंबरों का भी उपयोग किया गया। आरोपी ने इन बैंक खातों की पासबुक, चेकबुक, और एटीएम कार्ड गैंग को सौंप दिए, जिनसे आर्थिक लेनदेन किया गया।

गलत टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने के लिए लेनदेन किया गया

जांच के दौरान पता चला कि भावनगर स्थित परिल टैक्स और लीला ट्रेडिंग फर्म के नाम पर बैंक खाते खुलवाने के बाद फर्जी बिलिंग के आधार पर वित्तीय लेनदेन किए गए। इन बैंक खातों से सरकार को गलत टैक्स क्रेडिट देने के लिए धोखाधड़ी से लेनदेन किए गए। पुलिस ने हार्दिक गुरिया को गिरफ्तार कर इस मामले में उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। यह मामला डीसीबी पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 485, 418, 420, 455, 457, 488, 471, 481, 484, और 114 के तहत दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी का विवरण

इको सेल के पीआई जी. एम. हडिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी 32 वर्षीय हार्दिक रमेशभाई गुरिया, जो भावनगर के राधनपुरी बाजार में रहता है, ने एक्सिस बैंक में सेल्स एग्जीक्यूटिव रहते हुए इस गैंग में शामिल होकर जीएसटी सर्टिफिकेट, दस्तावेज, और बैंक खातों का दुरुपयोग किया। टैक्स क्रेडिट के जरिए सरकार को बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और गैंग के अन्य सदस्यों को पकड़ने के लिए कार्रवाई हो रही है।

आग में झुलसे दोनों व्यक्तियों की एक के बाद एक मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में कचरे में फेंकी गई 15 बोरियों में भरे केमिकल में धमाके के साथ लगी आग में झुलसे दोनों व्यक्तियों की एक के बाद एक मौत हो गई।

16 दिनों तक मौत से जूझने के बाद आखिरकार दम तोड़ दिया

सूरत में 11 जनवरी को डिंडोली मधुरम सर्कल के पास नायरा पेट्रोल पंप के नजदीक खुले स्थान पर कचरे में फेंकी गई 15 बोरियों में भरे केमिकल में धमाके के साथ आग लग गई, जिससे पास से गुजर रहे दो व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गए थे। झुलसे हुए दोनों को तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया था। कुछ दिन पहले एक की मौत हो गई थी, जबकि आज 16 दिनों तक मौत से जूझने के बाद 31 वर्षीय युवक ने आखिरकार दम तोड़ दिया। इन केमिकल बोरियों में ब्लास्ट के साथ लगी आग में दो युवकों को गंभीर रूप से जलने की घटना घटी थी। इनमें से 30 वर्षीय सुरेश की कुछ दिन पहले मौत हो गई थी। वहीं, आज 16 दिन तक मौत से लड़ने के बाद 31 वर्षीय इरफान रफीक मोहम्मद अंसारी ने आखिरकार दम तोड़ दिया।

अग्रवाल विद्या विहार महाविद्यालय प्रांगण में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विद्या विहार महाविद्यालय परिसर में स्वर्णिम भारत थीम पर आधारित 76 वां गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल द्वारा ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत, सामूहिक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, काव्य पठन, आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

देशभक्ति गायन एवं नाटक की हुई प्रस्तुति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,गणतंत्र दिवस के उपलक्ष मे महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक टिबरेवाल ने तिरंगा फहराया। आयोजन में प्रतिभाशाली छात्रों ने भावपूर्ण गायन-गीतों, प्रेरक भाषणों, मनोरम नाटकों और मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्यों के माध्यम से अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सचिव अजय अग्रवाल, गिरीश मित्तल, अग्रवाल विकास ट्रस्ट अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहें।

76 वें गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट सूरत द्वारा सिटीलाइट स्थित अग्रसेन पैलेस में सुबह 11ः00 बजे गार्ड ऑफ ऑनर परेड के साथ भव्य ध्वजवंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने धावजारोहण किया। इस दौरान पूरा वातावरण भारत माता के सामूहिक जयघोष के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर ट्रस्ट के अनेकों गणमान्य एवं विशिष्टजन उपस्थित रहे।